केवल मेडिकल व्यवसायियों के लिए

सभी देशवासियों को सिन्धी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

PHARMA NEWS

Editor- Brejesh Kumar Garg www.medicaldarpan.com Monthly News Paper

B.N. Medical Complex, Bulandshahr (U.P.) Postal Reg. No. BSR 37/2021-2023 RNI UPBIL/2007/27885

Year 16 | Issue 08 | DOP 10 April 2023 | Pages 08 | ₹ 10/- Copy | ✆ 09410434811, medicaldarpan.ctp@gmail.com

एनओसी की होगी जांच

प्राप्त समाचार के अनुसार प्रदेश सरकार ने पिछले 1 वर्ष में स्थापित होने वाले बी फार्मा डी फार्मा संस्थानों की संबंधित अनापत्ति दस्तावेजों की जांच कराने का फैसला किया है. इसके लिए प्रदेश के सभी जिलों के लिए अलग – अलग जांच कमेटियों का गठन कर दिया गया है. अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री एसपी गोयल ने जिला अधिकारियों को निर्देशित किया, कि कॉलेजों की मानक के अनुसार संबंधित अनापत्ति की जांच करवा कर रिपोर्ट में आए थे. अपनी संस्कृति के साथ भेजें सूत्रों ने बताया कि पिछले दिनों उच्च स्तर पर फार्मेसी दिए जाने में मानकों को नजरंदाज किए जाने की शिकायत की गई थी। इसके बाद 2022, 23 में एकेटीयू के स्तर से जारी की गई संबद्धता व 2023 24 के लिए शासन द्वारा जारी की गई एनओसी का सत्यापन कराने का फैसला हुआ. 2023 24 में कॉलेजों के संचालन के लिए शासन स्तर से एनआ. ेसी दी गई है. जिससे कि कॉलेज फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया पीसीआई के समक्ष मान्यता के लिए आवेदन कर सकें.

– आशीष ब्रह्मभट्ट
मो० 9897811055
आगरा.

अमृत और मृत्यु दोनों ही इस शरीर में स्थित हैं. मनुष्य मोह से मृत्यु को व सत्य से अमृत को प्राप्त होता है

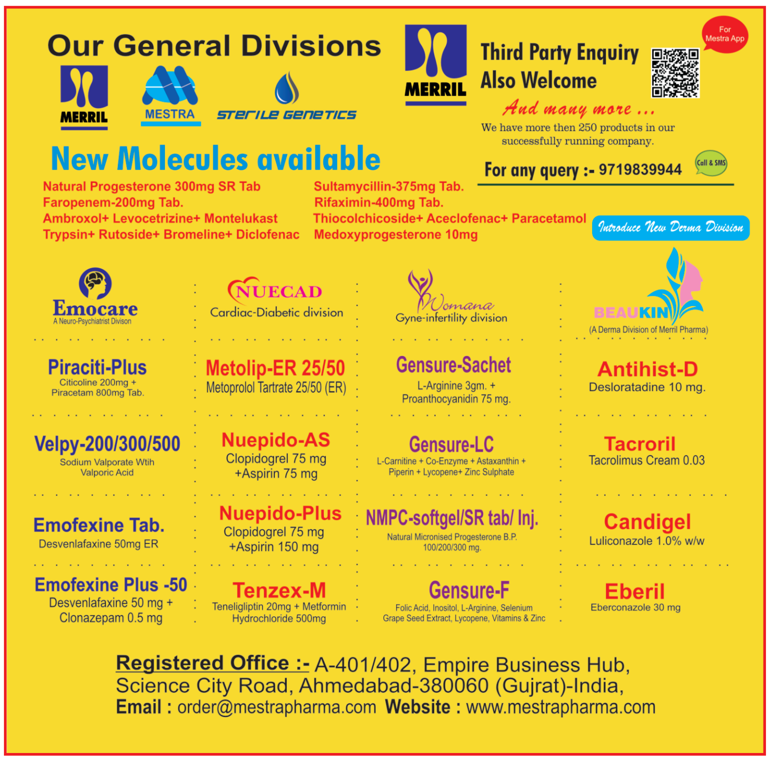

गोरखपुर दवा व्यापार मण्डल कार्यकारिणी– योगेन्द्र नाथ दूबे, अध्यक्ष, मो० 9580155061, 9415848486, आलोक चौरसिया, महामंत्री मो० 9305347091, अर्जुन अग्रवाल, चेयरमैन, मो० 9415059441, संतोष श्रीवास्तव, संयोजक, मो० 9415212903, राजेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष, मो० 9415211752, राजेश तुलस्यान, उपाध्यक्ष (थोक), मो० 9450471419, अनुराग अग्रवाल, उपाध्यक्ष (फुटकर), मो० 9839487030, विनोद कुमार गुप्ता, संगठन मंत्री, मो० 9936230829, निलेश अग्रवाल, मो० 9956856201, दिलीप कुमार गुप्ता, संयुक्त मंत्री (फुटकर), मो० 9415266877, अशोक कुमार गुप्ता, जनसम्पर्क अधिकारी, मो० 9415314880. – नीतिका अग्रवाल, मो० 8979107461

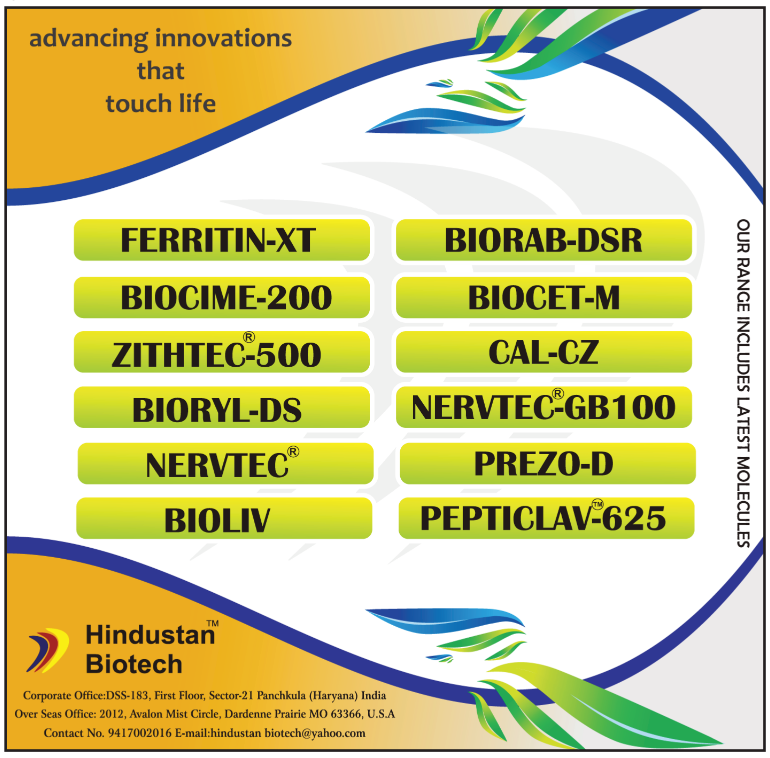

FASTEST GROWING PCD COMPANY IN INDIA
ZOIC
YOUR PARTNER IN HEALTH HEALING & HOPE
MORE THAN 300 PRODUCTS.
Wide Range of Products Available in Excellent Packing Covering All Major Segments
Tablets, Capsules, Softgels, Syrup, Injectable, Infusion, Ointments Soap, Shampoo, Paste, Powder, Neuro-Psychiatric And DCGI Approved Molecules Manufacture under Schedule 'm' With Who GMP Norms
Excellent Promotional Support By Way of Visual Aid Binder, Detailing Story, Literatures, Product at a Glance, Sample Catch Cover, Order Book, Visiting Cards, Mr Bag, Gifts etc.
Monopoly Business Opportunity
Best Service in Market · Best Quality Timely Delivery
Good Range of Products
WE OFFER WIDE RANGE OF FORMULATION FOR MADE ENQUIRY
Correspondence Address
72/1, Tyagi Road, Rest Camp, Dehradun-248001 UK
Contact : +91-7060249961, +91-7088014041
E-mail : zoiclifesciences.med@gmail.com
Website : www.zoiclifesciences.com

फार्मा कंपनियों के लाइसेंस रद्द

प्राप्त समाचार के अनुसार केंद्र सरकार की ओर से देश की फार्मा कंपनियों पर बड़ा फैसला लिया गया है। खराब और नकली क्वालिटी की दवाईयों के निर्माण के लिए देश की 18 फार्मा कंपनियों के लाइसेंस रद्द कर दिया गया है। ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने कई दवा कंपनियों का निरीक्षण किया था। केंद्र और राज्य की टीमों ने मिलकर 20 राज्यों की 76 दवा कंपनियों में अचौक निरीक्षण किया था। उसके बाद ये कार्रवाही की गई। शिकायतें आ रही थी कि नकली दवाओं का कारोबार पूरे देश में बढ़ रहा था। इसके खिलाफ केंद्र और राज्य सरकार की टीमों ने कार्रवाई की। दोनों टीमें तकरीबन 15 दिनों से कंपनियों के खिलाफ अभियान चला रही हैं। इस दौरान हिमाचल प्रदेश में 70, उत्तराखंड में 45 और मध्य प्रदेश में 23 कंपनियों पर कार्रवाई की गई है। कई देशों से भारतीय दवाओं से होने वाली मौतों और बीमारियों की खबरों के बीच ये छापे मारे गए हैं। केंद्र सरकार और राज्य सरकार की टीमें मिलकर बीते 15 दिनों से कंपनियों के खिलाफ अभियान चला रही है। 26 फार्मा कंपनियों को नोटिस जारी किया गया है। अधिकतर कंपनियां हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड से संचालित होती हैं। उत्तराखंड की 45, हिमाचल प्रदेश में 70 और मध्य प्रदेश में 23 कंपनियों पर कार्रवाई की गई है। बीते महीने, गुजरात स्थित फार्मा कंपनी जायडस लाइफसाइंसेज ने अमेरिकी बाजार से गाउट के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली जेनेरिक दवा की 55,000 से अधिक बोतलें वापस मंगवाई थीं। दवा की अशुद्धता विनिर्देशों में विफल रही थी। गौरतलब है कि नोएडा में एक फार्मास्युटिकल फर्म के तीन कर्मचारियों को बीते साल उज्बेकिस्तान में कथित तौर पर खांसी की दवाई के कारण 18 बच्चों की मौत के बाद गिरफ्तार किया गया था। उन पर मिलावटी दवा बनाने और बेचने का आरोप था। वहीं बीते फरवरी के महीने में ही चेन्नई स्थित एक दवा कंपनी ने आई ड्रॉप की खेप को वापस मंगाया था। – **राजेन्द्र निगम, मो० 9415555194, जौनपुर.**

पीसीडी फार्मा फ्रेंचाइजी के साथ बिग फार्मा और बिग बिजनेस अवसर

क्या आप एक फार्मा छात्र हैं जो एक उद्यमी बनना चाहता है और बड़े फार्मा उद्योग की पीठ पर कुछ अच्छा पैसा कमाना चाहता है? यदि हां, तो आप वर्तमान में प्रस्तुत अवसर को नहीं चूक सकतेपीसीडी व्यवसायशीर्ष 10 पीसीडी फार्मा फ्रेंचाइज कंपनियों में से एक व्यवसाय शुरू करना। हाल के दिनों में भारतीय अर्थव्यवस्था में भारी वृद्धि और विशेष रूप से भारत जैसे देश में जहां जनसंख्या वृद्धि को पहले से कहीं अधिक चिकित्सा सहायता की आवश्यकता है, फार्मास्युटिकल क्षेत्र में भारी वृद्धि को देखते हुए, सभी आकार की फार्मा कंपनियों का भविष्य निश्चित रूप से बहुत अच्छा होगा। इसलिए, आपके पास न्यूनतम निवेश के साथ लाभ और निरंतर आय अर्जित करने का एक अच्छा अवसर है। PCD फ्रेंचाइजी व्यवसाय मॉडल को क्या सफल बनाता है? हम कारणों पर चर्चा करेंगे लेकिन उससे पहले, व्यापार तंत्र को ही समझना बहुत महत्वपूर्ण है। एक पीसीडीफार्मा फ्रेंचाइजी मॉडल वह है जहां आपको फार्मा कंपनी की ओर से मार्केटिंग और वितरण व्यवसाय चलाने का विशेष अधिकार प्राप्त होता है। संपूर्ण उत्पाद चक्र, विनिर्माण से लेकर पैकेजिंग तक रसद से विपणन तक, फ्रेंचाइजी द्वारा प्रबंधित किया जाता है।

न्यूनतम विपणन और प्रशासनिक लागत– PCD मॉडल के साथ जाने का सबसे पहला और एक सबसे बड़ा फायदा यह है कि जब आप PCD फार्मा फ्रेंचाइज व्यवसाय चलाते हैं या एकसामान्य चिकित्साभारत में निर्माता। इसके विपरीत, इस मॉडल में परिचालन लागत काफी कम है क्योंकि उत्पादन योजना, नियंत्रण, कच्चे माल की सोर्सिंग, मार्केटिंग आदि केंद्रीय स्तर पर किए जाते हैं। और, वे आमतौर पर फार्मा कंपनी द्वारा प्रदान किए जाते हैं। इसलिए, यह मॉडल उनके लिए भी आदर्श है जिनके पास बहुत कम पूंजी है। फ्रैंचाइजी के मालिक को निर्देशित के रूप में संचालन की देखभाल करने की आवश्यकता है।

पीसीडी फार्मा फ्रेंचाइज मॉडल नवाचार को प्रोत्साहित करता है– हालांकि PCD व्यवसाय मॉडल केंद्रीकृत मार्गदर्शन का बहुत लाभ देते हैं, उद्योग में अभी भी नवीन सोच और व्यवसाय को कैसे आगे बढ़ाया जाए, इस पर लचीले दृष्टिकोण के लिए बहुत गुंजाइश है। इसलिए, यह युवा उद्यमियों और कॉलेज के बाहर फ्रेशर्स के लिए उपयुक्त है। वे अपने स्थान के अनुसार आवश्यक परिवर्तन करके कंपनी द्वारा प्रदान किए गए व्यवसाय मॉडल को लागू करने में लीक से हटकर विचारों का उपयोग करने की अपनी क्षमता से चमत्कार कर सकते हैं और बदले में फर्म और ब्रांड नाम के समग्र कामकाज में मूल्य जोड़ सकते हैं।

विविध दिशाओं में विकास के अवसर– पीसीडी फ्रेंचाइजी मॉडल इतना आकर्षक क्यों है इसका एक और महत्वपूर्ण कारण यह है कि यह बहुमुखी है। इसलिए उद्यमी को विभिन्न क्षितिजों में विविधता लाने के कई अवसर मिलते हैं। एक बार जब व्यवसाय गति पकड़ लेता है, तो ग्राहकों के बहुत सारे सेगमेंट को बेचने के लिए बहुत सारे उत्पाद होते हैं। एक बार ग्राहक आधार बन जाने के बाद, फ्रैंचाइजी बहुत तेजी से बढ़ सकती है।

उत्कृष्ट परिणाम– PCD फ्रेंचाइजी मॉडल इतना आकर्षक क्यों है, इसका अंतिम लेकिन महत्वपूर्ण कारण यह है कि यह जबरदस्त परिणाम उत्पन्न करता है। PCD फ्रेंचाइजी बिजनेस मॉडल को इसकी वजह से पिछले कुछ दशकों में मान्यता मिली हैउच्च विकास क्षमता भारत में थोड़े से पैसे से PCD Pharma की फ्रेंचाइजी शुरू करना संभव है। कोई भी शुरू करने के लिए जेनेरिक दवाओं की बढ़ती सूची में से चुन सकता है और फिर सुविधा के अनुसार व्यवसाय बढ़ने पर अन्य उत्पादों का विस्तार कर सकता है।

आजादी– PCD फ्रेंचाइज मॉडल का लचीलापन युवा और प्रतिभाशाली दिमाग को मॉडल द्वारा दी गई स्वतंत्रता के कारण आकर्षित करता है जहां वे अपने निर्णय खुद ले सकते हैं। कच्ची प्रतिभा की मात्रा को आकर्षित करने का मतलब है कि पीसीडी फ्रैंचाइजी मॉडल आने वाले वर्षों में और भी अधिक सफल होने की संभावना है।

प्रश्न: क्या PCD फ्रेंचाइजी मॉडल उन फार्मा छात्रों के लिए उपयुक्त है जिन्होंने अभी-अभी अपनी शिक्षा पूरी की है?

उत्तर: हाँ, यह मॉडल विशेष रूप से उन छात्रों के लिए उपयुक्त है जिन्होंने अभी तक अपनी शिक्षा पूरी कर ली है। उनका ज्ञान आधार व्यवसाय स्थापित करने में काम आ सकता है। इसके अतिरिक्त, इस व्यवसाय के लिए कम पूंजी की आवश्यकता उन छात्रों के लिए भी एक अच्छा अवसर बनाती है जिनके पास बहुत कम पूंजी है और जो एक बड़ी फार्मा कंपनी में शामिल नहीं होना चाहते हैं।

प्रश्न: पीसीडी बिजनेस मॉडल में सफलता के कुछ रहस्य क्या हैं?

उत्तर: पीसीडी बिजनेस मॉडल में सफलता के कुछ सबसे महत्वपूर्ण रहस्य निम्नलिखित हैं:

तल – रेखा

कोई भी उपरोक्त चर्चा को आसानी से समाप्त कर सकता है क्योंकि पीसीडी फार्मा फ्रेंचाइजी का प्रदर्शन अब तक काफी अच्छा रहा है, और इसका भविष्य भी आशाजनक दिख रहा है, यह हर किसी के लिए एक आदर्श व्यवसाय मॉडल है जो खुद को फार्मा बाजार में स्थापित करना चाहता है। चाहे आप नौसिखिए खिलाड़ी हों या अनुभवी, फार्मास्युटिकल क्षेत्र अपने सभी प्रतिभागियों के लिए विकास के समान अवसर लाता है। भारत में एक प्रतिष्ठित पीसीडी फार्मा कंपनी के साथ साझेदारी करें और एक सफल व्यवसाय यात्रा शुरू करें।

गिरफ्तार

प्राप्त समाचार के अनुसार बिहार के सरकारी अस्पताल में प्रयोग होने वाली हुमन रेबीज इम्यूनोग्लोबुलीन वैक्सीन की कालाबाजारी और धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार आरोपी मोठ लोहारी वासी प्रवीण को पुलिस ने अदालत में पेश किया. जांच अधिकारी एएसआई सत्यवान ने आरोपी प्रवीण की निशानदेही पर बिहार से दिल्ली और हिसार तक वैक्सीन पहुंचाने वाले सप्लायर सहित पंजाब में वैक्सीन खरीदने वाले लोगो की धरपकड का प्रयास रहेगा. जांच में सामने आएगा कि किस सरकारी दवा केंद्र से वैक्सीन आउट हुई है. आरोपी प्रवीण कुमार ने कबूला है कि इससे पहले एक बार 120 वैक्सीन मंगवाई थी, जिसे पंजाब में सप्लाई किया था. करीब 500 से 700 में वैक्सीन खरीदकर 6900 एमआरपी का स्टीकर लगाकर पंजाब में बेचकर मुनाफा कमा रहा था। अत्यधिक तापमान में आई वैक्सीन गत्ते के डिब्बे में पैक करके भिजवा रखी थी.

www.ravianlifescience.com
Contract Manufacturer/Exporter
Ravian · Redesigning Quality Globally
BUSINESS ASSOCIATES
ALKEM · Zydus Cadila · Zuventus · GUFIC · Troikaa · La Renon · LINCOLN · Leeford · Remami · ajanta pharma
Certifications : WHO-GMP · P.P.B.-(Kenya) · NDA-(Uganda) · DPML-(Ivory Coast) · M.O.H.-(Cambodia) · M.O.H.-(Iraq) · ISO 9001 : 2015 & ISO 14001 : 2015
Production Capacity: Oral Solid 300 Crores Tabs · Hard Gelatin Caps 30 Crores Caps · Oral Liquid 10 Crores Bottles
More Than 250 COPP Available
Business Modules: Direct Export, Contract Manufacturing for Export Contract Manufacturing, PCD/Franchisee for Pan-India Markets.
Ravian Life Science Pvt. Ltd.
Plot No. 34, Sector-8A, SIDCUL, Haridwar (U.K.) India
Email : enquiry@ravianlifescience.com, marketinginfo@ravianlifescience.com
Dr. Alok Shankar, Executive Director
Marketing : 01334-230426, +91-9258019547
Toll Free No. : 18003093312, Franchise : +91-8171114034

Inventing for Better Health...
CHARAN Laboratories (P) Limited
For a Healthier and Better Future...
OFFERING A WIDE RANGE OF LATEST MOLECULES FOR THIRD PARTY MANUFACTURING
COMPANY OFFERING WIDE RANGE OF MEDICINES WITH GOOD PACKAGING
SECTIONS: SOFTGELS · CAPSULES · OINTMENTS · LIQUID ORALS · EXTERNALS · DRY INJECTIONS · TABLETS Beta & Non Beta Lactam
Head Office: 19/20, Dr. Bhopal Singh Market, Begum Bagh, Meerut, (Uttar Pradesh)-250001 (India)
Registered Office: 119, Ansal Chamber II, 6, Bhikaji Cama Place, New Delhi-66 (India)
Factory address: BHEL, Ancillary Estate Ranipur, Dist Haridwar, UK
Email: rishabh.bansal@charanlabs.in, info@charanlabs.in
Website: www.charanlabs.com
Contact Nos. (Tel.): +91-8126826826

"Exclusive marketing & distribution with Monopoly Rights for (Distributors/MRs/ASMs/RSMs) & Multi-Specialty Hospitals in Unrepresented Areas India.
17 years PHARMA EXPERIENCE
Wide Range of more than 200+ PRODUCTS
Covering All Major Segments
Including Derma, Gynec, Infertility, Cardiac, Diabetic, Medicine, Ortho, Pediatrics, Surgery, ENT, Ophthalmic, Dental & GP.
Join Our Pharma Franchise And Start Your Own Business Today!
Why NANDSHRI LABS ?
"Our most brands are Registered and Trademarked"
WHO-GMP Certified Products & ISO 9001-2015 Company
Satisfied more than 1000 + customers.".
Excellent Packing, Reasonable MRP with Competitive price
We provide full Marketing support and Promotional materials.
Providing Visual Aids Or E-Detailing facilities on your Tablet.
Catchy Brand Name
...Our Divisions... GynaCure · FertiCure · CarDiabete · DERMACure · I-VisionCure
Tablet/Capsules · Soft gel Cap · Suspension/Syrup · Oral Liquid & Dry Syp · Cream, Lotion, Gel · Soap/Shampoo · Eye/Ear/Nasal Drops · Sachets & Powder · Mouth Wash / Paste · Ointment & Inj.
NANDSHRI LABS
Regd. Add. : 1st. floor, Plot no. 24 & 25, Sadachar Society, Wadi, NAGPUR (MS)
E-Mail : nandshrilabs@gmail.com | www.nandshrilabs.com
For Bussiness Enquiry 7769090020, 8380005317

Chemists & Druggists Federation Uttar Predesh की कार्यकारिणी

President, SANDEEP KR. CHATURVEDI, M\s.Kaladhar Pd. Grand Son's Opp. Nichi Bag City Post Office, Varanasi- 221001 (U.P) Phone : 0542-2333063 Mob.: 09415227667, **General Secretary:** Suresh Gupta, 710,7th Floor, Ansal Satyam Building, RDC, Raj Nagar Ghaziabad-201 001 (U.P.), Mob.: 09811668289, **Chairman:** M.IBRAHIM MANSOORI, M/S Hindustan Drugs House Bazar Batwal, Amroha (U.P.), (O/R) 05922-250445, Mob.: 09012364000, **Treasure:** RAJEEV TYAGI, M\S R.N.MEDICALSTORE, NH-B-1,Nagar Hospital Lohia Nagar, Ghaziabad (U.P.) Mob.: 9810617202, **Org. Secretary:** RAKESH SINGH M\s SITAMEDICAL STORE Opp. Female Hospital, Gonda (U.P.) Mob.: 09648303000.

- **Nitika Gupta, M. 8979107461.**

दवा व्यापारियों की एकता

प्राप्त समाचार के अनुसार ऑनलाइन दवा की बिक्री करने वाली बड़ी कंपनी ने कानपुर से अपना काम समेटना शुरू किया. कानपुर के दवा व्यापारियों ने एकता का जो किला बना रखा है उसके आगे बड़ी-बड़ी कंपनियां भी धाराशायी हो जाती है. अभी कुछ वर्ष पूर्व की ही बात है ऑनलाइन दवा की बिक्री करने वाली एक बड़ी कंपनी ने कानपुर में दवा की बिक्री के लिए जब साथी एजेंट ढूंढने शुरू किए तो उसको कोई भी साथी नहीं मिला। उसके उपरान्त उस कंपनी ने अपना कारोबार कानपुर से समेट लिया। आज अगर उस कंपनी को कानपुर के किसी ग्राहक को दवा सप्लाई करनी है तो उसे अन्य शहरों से भेजना पड़ता है. पिछले वर्ष इस मजबूत किले को भेदने का एक और प्रयास हुआ भारत के धनाढ्यतम व्यक्ति की ऑनलाइन कंपनी ने कानपुर में वेयर हाउस बनाकर रिटेलरों को सीधा दवाई सप्लाई करने का कार्य शुरू करने का प्रयास किया, 15 दिन का उधार, ज्यादा डिस्काउंट आदि अनेक लालच दिए गए लेकिन कानपुर के अधिकांश रिटेलरों ने इस कंपनी से माल नही लिया। आज विश्वस्त सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि इस ऑनलाइन कम्पनी ने गत 15 दिन से अपना काम समेटना आरम्भ कर रखा है और बहुत जल्द ही यह कंपनी कानपुर छोड़ देगी कानपुर के इस अभेद्य किले की मजबूती बनाये रखने के लिए शहर के समस्त 6000 दवा व्यापारियों को बधाई एवं आभार। – **संजय मल्होत्रा, मो० 7084000070, कानपुर.**

Franchisee/PCD
Franchisee/PCD
Franchisee/PCD
Third Party
Third Party
Third Party
Monopoly Business Rights
AYURVEDIC & NUTRACEUTICALS
Tablets · Capsules · Syrup · Sachet · Oil (Herbal & Cosmetic) · Powder (Whey & Herbal Protein Powder)
External Preparation (Cream, Lotion, Face Wash, Shampoo & Soap)
Blue Star Laboratories · BLUE STAR NUTROSANITA PVT. LTD. · MAYLEBENS INDIA PVT. LTD.
Office: 206, Blue Star Plaza, Sarja Mkt, Opp. M2K, Sector 7, Rohini, Delhi-85
Work: Plot No.-6, Sector-56, Phase-4, HSIIDC, Kundli-131028 (Haryana)
Ph.:011-27040437, 9810165707, Email: bsnspl@gmail.com

प्रतिबंधित कोडिन युक्त 220 बोतल कफ सिरप जब्त

प्राप्त समाचार के अनुसार छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में लगातार नशे के खिलाफ कार्यवाही जारी है। इसी कड़ी में पुलिस ने अवैध प्रतिबंधित कोडिन युक्त 220 कफ सिरप की बोतलें के साथ पांच आरोपी को गिरफ्तार किया है। बिलासपुर एवं थाना सिविल लाईन, सरकण्डा पुलिस ने संयुक्त कार्रवाही कर इस कारोबार का पर्दाफाश किया। आरोपियों के पास से कुल 220 नग प्रतिबंधित कोडिन युक्त सिरप के अलावा एक कार और एक स्कूटी जब्त हुई है। आम जन एवं युवाओं में नशे के विरूद्ध जागरूकता लाने एवं नशे के दुषप्रभाव से बचने के लिये बिलासपुर पुलिस के द्वारा विशेष अभियान "निजात" चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक बिलासपुर संतोष कुमार सिंहके नेतृत्व में अवैध नशे की सामग्री एवं नारकोटिक एक्ट की कार्यवाही करने हेतु निर्देश प्राप्त होने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर श्री शहर राजेन्द्र कुमार जायसवाल के एवं नगर पुलिस अधीक्षक सिविल लाईन संदीप कुमार पटेल के मार्गदर्शन में नारकोटिक एक्ट के विरूद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही करने हेतु एक टीम को तैयार किया गया था। एसीसीयू की टीम को सूचना प्राप्त हुई थी कि जरहाभाठा में रहने वाला आकाश जेंड्रा उर्फ राहुल और चांटीडीह में रहने वाला अमन कछवाहा अपने साथियों से मिलकर नशीले कफ सिरप की बिक्री कर रहा है। इस पर जवानों ने जरहाभाठा में राजीव गांधी चौक के पास घेराबंदी कर आकाश को हिरासत में ले लिया। कड़ी पूछताछ करने पर उसने अपने ठिकाने का खुलासा किया। आकाश जेंड्रा ने बताया कि वो अपने साथियों विजय तिवारी उर्फ बाबा (35) निवासी प्रगति विहार, राशिद खान उर्फ बाबा (35) निवासी तालापारा व अमित अग्रवाल (29) निवासी राजकिशोर नगर के साथ मिलकर नशीला सिरप बेचना बताया। चारो आरोपित को सरकंडा पुलिस के हवाले किया गया। आरो. पियों के खिलाफ 224/23 धारा 21, 22 नारकोटिक्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

छत्तीसगढ़ में 5 डॉक्टर सहित 9 फर्जी फार्मासिस्ट गिरफ्तार

प्राप्त समाचार के असार छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 5 डॉक्टर सहित 9 फर्जी फार्मासिस्ट को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। छत्तीसगढ़ स्टेट फार्मेसी काउंसिल के दौरान यूपी–बिहार, झारखंड, तामिलनाडू और राजस्थान के कॉलेजों के फर्जी सर्टिफिकेट जमा कर फार्मासिस्ट की डिग्री लेने वाले रैकेट का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाही करते हुए राजनांदगांव, जांजगीर–चांपा, दुर्ग, भिलाई, बलौदाबाजार और महा. समुंद के अलग–अलग ठिकानों में छापे मारकर 9 जालसाज फार्मासिस्टों को गिरफ्तार किया है। 9 फार्मासिस्टों में से पांच आरोपी BAMS डॉक्टर हैं। 19 जालसाजों की तलाश में छत्तीसगढ़ के 12 जिलों में पुलिस के द्वारा छापेमारी की जा रही है। पुलिस को डिग्री फर्जीवाड़े में संगठित रैकेट का हाथ होने का शक है। इन लोगों का नेटवर्क पूरे राज्य में फैला है। केवल 2 से तीन लाख में ये रैकेट राज्यभर के बेरोजगारों का फर्जी सर्टिफिकेट से काउंसिल में रजिस्ट्रेशन करवा रहा था। पुलिस अफसरों के अनुसार अभी 19 जालसाज फार्मासिस्टों की तलाश की जा रही है। उनकी खोजबीन में जुटी टीम उनके परिजनों और करीबियों को जांच के घेरे में रखा है। अधिकारियों के अनुसार करीब 270 फार्मासिस्टों की फर्जी डिग्री होने के दस्तावेज मिले हैं। छत्तीसगढ़ स्टेट फार्मेसी काउंसिल रायपुर के डॉक्टर श्रीकांत ने थाना तेलीबांधा में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि रजिस्ट्रेशन के लिए आये आवेदनों में कई प्रामाण पत्र फर्जी पाए गए है। इस शिकायत के बाद एसएसपी ने शहर एएसपी अभिषेक माहेश्वरी को जांच कर आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए। जांच में सनराईस युनिवर्सिटी बैगाड राजपुर राजस्थान से रमाकांत निषाद, शीतल कुमार महार, संजय कुशवाहा, सूरज कुमार अग्रवाल, ओ. पी. जे. एस युनिवर्सिटी चुरू राजस्थान से चन्द्रेश कुमार साहू, डामेश्वर कुमार साहू, श्रीधर युनिवर्सिटी पिलानी राजस्थान से रविन्द्र कुमार साहू, स्वामी विवेकानंद युनिवर्सिटी सागर म.प्र. से खेम लाल धीवर के फार्मेसी डिप्लोमा छत्तीसगढ़ स्टेट फार्मेसी काउंसिल रायपुर के समक्ष आवेदन पत्र के साथ प्रस्तुत प्रमाण पत्र फर्जी पाये गये। फार्मेसी काउंसिल में पंजीयन के बाद मेडिकल स्टोर्स संचालित करने के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग से ड्रग लाइसेंस दिया जाता है।

अस्पताल की बड़ी लापरवाही

प्राप्त समाचार के अनुसार नोएडा में स्थित फोर्टिस अस्पताल की बड़ी लापरवाही सामने आ रही है। अस्पताल में भर्ती एक मरीज के कूल्हे की हड्डी में फैक्चर के ऑपरेशन की बजाय डॉक्टरों ने उसके हार्ट का ऑपरेशन कर दिया। इस ऑपरेशन के बाद मरीज की मौत हो गई। जयपुर के रहने वाले 66 वर्षीय दिनेश कुमार सक्सैना का बेड से गिरने की वजह से कूल्हे की हड्डी का फैक्चर हो गया। परिजनों ने मरीज को इसके बाद नोएडा के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती करवाया गया। मरीज की एंजियोग्राफी की गई। मृतक के बेटे शुभम सक्सैना ने बताया कि उनके पिता की पहले दो बार एंजियोप्लास्टी हो चुकी थी। अगली सुबह तक उनकी हालत ठीक थी। लेकिन उनकी एंजियोग्राफी कर दी गई। मरीज का फैक्चर का ऑपरेशन नहीं किया गया। परिजनों ने शव लेने से इंकार करते हुए अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। मृतक के बेटे शुभम सक्सैना ने अस्पताल पर आरोप लगाया है कि डॉक्टरों ने कोई जानकारी नहीं दी। शाम करीब 4.30 बजे जब वे आईसीयू में पहुंचे तो उनके पिता बेहोश अवस्था में लेटे थे और शक होने पर जब डॉक्टरों से पूछा तो शाम करीब पांच बजे मौत की जानकारी दी गई। इसके बाद गुस्साए परिजनों ने 112 नंबर पर फोन कर पुलिस को शिकायत दी और जब मौके पर पुलिस पहुंची तो मामला शांत कराया। वहीं अस्पताल प्रशासन का कहना है कि मरीज दिल की बीमारी से ग्रसित था। जिस पर साथ–साथ मरीज की हर अपडेट परिजनों को दी जा रही थी। मरीज की पहले से ही से दिल और सांस की बीमारी थी जिस वजह से उनका शुगर बढ़ा हुआ था और वहीं कूल्हे की सर्जरी से पहले मरीज की हालत स्थिर करना जरूरी था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर आगे की कार्यवाही का निर्देश भी दिया गया है।

टास्क फोर्स की बैठक में शामिल नहीं होने पर गुरुग्राम प्रशासन ने 17 अस्पतालों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है

गुरुग्राम : जिला कार्यबल की बैठक में प्रतिनिधि नहीं भेजने वाले 17 अस्पतालों को उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है. अस्पतालों को उनकी अनुपस्थिति का कारण स्पष्ट करने का निर्देश दिया गया है। अतिरिक्त उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि यादव ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा बुलाई गई टास्क फोर्स की बैठक की अध्यक्षता की. बैठक के दौरान, COVID और इन्फ्लूएंजा में तेजी पर चर्चा हुई मीणा ने कहा कि जिले में मामलों, मॉक ड्रिल का संचालन, खसरा और रूबेला उन्मूलन और डेंगू और मलेरिया के मामले। उपायुक्त ने सूचना मिलने के बाद भी अनुपस्थित रहने वाले अस्पतालों के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अस्पतालों को बैठक में शामिल नहीं होने के संबंध में अपनी स्थिति स्पष्ट करने का निर्देश दिया.

www.medicaldarpan.com

स्वास्थ्य अधिकार

प्राप्त समाचार के अनुसार राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में 2500000 रुपए तक का निशुल्क उपचार, निशुल्क दवा एवं जांच योजना, निरोगी राजस्थान अभियान, कोविड–19 प्रबंधन सहित गांव ढाणी तक चिकित्सा सुविधाओं को मजबूत कर राजस्थान स्वास्थ्य के क्षेत्र में मॉडल स्टेट बनकर उभरा है. अब हमने इन योजनाओं का लाभ प्रदेश की जनता को कानूनी गारंटी प्रदान करते हुए, स्वास्थ्य का अधिकार के रूप में प्रदान किया है. यह एक प्रगतिशील कानून है, जो संविधान के अनुच्छेद 307 और अनुच्छेद के अनुरूप स्वास्थ्य के अधिकार की गारंटी देता है. अपेक्षा है कि देश के हर नागरिक को स्वास्थ्य का अधिकार मिले. **स्वास्थ्य का अधिकार बिल के महत्वपूर्ण प्रावधान**, राजकीय एवं डेजिग्रेटेड निजी चिकित्सा संसाधनों में ओपीडी, आईपीडी, सलाह, दवाइयां, जांच परिवहन, प्रक्रिया, आपातकालीन केयर निशुल्क. अस्पताल में आपातकालीन उपचार के बाद यदि मरीज अस्पताल को भुगतान नहीं करता है तो सरकार उसका पुनर्भरण करेगी. दवा प्राप्त करने के स्थान को चुनने का अधिकार, पुलिस रिपोर्ट प्राप्त नहीं होने पर भी इलाज, इलाज के बारे में पूरी जानकारी लेने का अधिकार, इलाज के बारे में किसी दूसरे अस्पताल में लेने का कारण रेड अस्पतालों को समय पर भुगतान के लिए और अपराधीकरण के निर्णय के विरुद्ध सिविल न्यायालय में जाने का अधिकार में सरक. ारी संस्थानों के साथ निजी अस्पतालों का दायरा तरीके से बढ़ाया जाएगा। आरटीएस में शामिल डेजिग्नेटिड निजी अस्पतालों को अतिरिक्त सुविधाएं दिया जाना प्रस्तावित।

–मनोज मिश्रा, मो॰ 9919247731, फर्रुखाबाद.

www.medicaldarpan.com

Forgo Pharmaceuticals (P) Ltd. (An ISO 9001:2015 Certified Company)
• Knee & Ankle Support
• Body Belts & Braces
• Fracture Aids
• Cervical Aids
• Fingers, Wrist & Arm Supports
A wide range of products available for Third Party & PCD marketing
Tablets & Capsules | Nutraceuticals & Protein Powders
Oral Liquids & Dry Syrup | Dietary Supplements
Injectables | Herbal Preparations
Eye Drops, Ear Drops & Nasal Drops | Wide range of Skin Care Cosmetics
Creams, Lotions, Gels & Ointments | Veterinary Drugs
Shampoo & Soaps | Vaccines & Pre Filled Syringes
Aerosats & Form Fill Seat (FFS)
Tablets, Capsules, Dry Syrup, Liquid Orals, Eye/Ear Drops, Soap, Shampoo/Lotion, Ointment, Sachets, Veterinary Medicines
Our Speciality Divisions
More then 1000 products
All new molecules available
Third party manufacturing also done
More then 1000 products. Third Party Manufacturing also done. All new Molecules available
Corporate Office: Plot No. 92, Ind. Area Phase-I, Panchkula Haryana 134113
Mfg. Unit Forgo Pharmaceuticals (GMP/GLP/WHO Certified Unit) (AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)
27, DIC IND AREA, Barotiwala, Teh: Baddi, Distt. Solan (HP)
Email : helpdeskforgo@yahoo.com / forgopharmaceutical@yahoo.co.in
Contact Detail : 0172-2569292 / 2568292 / 9814924737 / 7696099905 / 9877640753 / 9569569292

अल्जाइमर का शुरुआती पता लगाने में लार परीक्षण गेम चेंजर हो सकता है

नई दिल्ली: लार में मौजूद नैनोपार्टिकल्स अब अल्जाइमर और पार्किंसंस का शुरुआती लक्षण दिखने से पहले ही इसका पता लगाने में मदद कर सकते हैं। एम्स दिल्ली के बायोफिजिक्स विभाग ने एक ऐसी तकनीक का आविष्कार किया है, जिसका दावा है कि यह गेम चेंजर हो सकती है और इन न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों के निदान को बदलने की क्षमता रखती है। शोधकर्ताओं ने नैनोपार्टिकल ट्रैकिंग विश्लेषण के आधार पर स्वस्थ नियंत्रण समूह की तुलना में संज्ञानात्मक रूप से विकलांग और अल्जाइमर रोग रोगियों के समूहों के बीच लार एक्सोसोम एकाग्रता में महत्वपूर्ण अंतर देखा। (एनटीए) तकनीक। विधि सूक्ष्म नैनोस्केल कणों, एक्सोसोम का शोषण करती है, जो लार और रक्त जैसे सभी बायोफ्लुइड्स में बिगड़ती तंत्रिका कोशिकाओं से मुक्त होती है। बायोफिजिक्स के अतिरिक्त प्रोफेसर और परियोजना के मुख्य अन्वेषक डॉ सरोज कुमार ने कहा कि प्रारंभिक परिणामों ने संकेत दिया है कि एनटीए तकनीक पर आधारित लार एक्सोसोम एकाग्रता में शुरुआती बीमारी का पता लगाने के लिए लागत प्रभावी जांच पद्धति के रूप में उपयोग करने की क्षमता थी। न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगअल्जाइमर और पार्किंसंस की तरह वैश्विक स्तर पर लाखों लोगों पर प्रभाव पड़ता है। उम्र के साथ इन बीमारियों के होने की संभावना काफी बढ़ जाती है। तंत्रिका कोशिकाएं समय के साथ अपनी क्षमताओं को खो देती हैं, जिससे मस्तिष्क में कोशिकाओं की मृत्यु हो जाती है। विशिष्ट लक्षण केवल रोग के बाद के चरणों में प्रकट होते हैं; ज्यादातर मामलों में पता लगाने में देरी होती है। अंतिम अवस्था में, उपलब्ध उपचार रोग की प्रगति को रोकने के बजाय शारीरिक और मानसिक लक्षणों को कम करने में सहायक होता है। इस बाधा को दूर करने के लिए, डॉ. सरोज और उनके समूह ने एक नई तकनीक का आविष्कार करने के लिए काम किया, जो उन लोगों की पहचान करने के लिए एक आसान, तेज और लागत प्रभावी तरीके का उपयोग करके शुरुआती अपक्षयी परिवर्तनों की जांच और पता लगा सकती है, जो परिवर्तनों से गुजर रहे हैं और पांच न्यूरोडीजेनेरेटिव रोग विकसित कर सकते हैं-10 साल। डॉ. सरोज के अनुसार, यह अविष्कार न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों के शुरुआती चरणों में निदान में एक प्रमुख प्रगति का प्रतीक है, यहां तक कि पहले लक्षणों के प्रकट होने के वर्षों पहले भी। हमने पाया कि ये कण कुछ बुजुर्ग स्वस्थ लोगों में मौजूद हैं जिनमें कोई लक्षण नहीं है। समूह ने आगे प्रयोग किया और जांच की और यह समझ में आया कि ये मस्तिष्क की कोशिकाओं में गिरावट के संकेत हैं जो रोग का पता लगाने के अधीन हो सकते हैं। इसकी शुरुआत से पहले। आविष्कार उन लाखों लोगों के लिए एक सफलता हो सकती है, जिन्हें आने वाले वर्षों में न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारियों का निदान किया जाएगा, उन्होंने कहा। केवल लार ही नहीं, बल्कि रक्त के नमूनों का भी कम से कम उपकरणों की मदद से शुरुआती पहचान के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। कणों को नियमित रूप से इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक एलिसा के उपयोग से आसानी से चित्रित किया जा सकता है। विधि के पेटेंट के लिए एक आवेदन दायर किया गया है और साथ ही अस्पतालों और डायग्नोस्टिक केंद्रों में उपयोग के लिए एक किट विकसित की जा रही है।

EXCLUSIVE FRANCHISE OPPORTUNITY
Tabs, Caps, Inj, Drysyrup, Ointments Liquid eyes and ear drops, Protein powder Herbal products, Cosmetic soaps,Cream, Gel, Oil, Serum &Dietary Supplyments.
AWARD WINNING COMPANY
• Specialized in innovative products
• Quality brand award winner
• Over 15 years market standing
• Impressive packing
• Attractive pricing
• Technical promotion inputs
• Excellent ROI

Minova LIFE SCIENCES PVT LTD
For Business Enquires
9986682777 / 9845329972
www.minovalife.com minovalife@gmail.com
No. 194/ 31/ 2/ 74 & 75 Ground floor, Beretena Agrahara,Behind Metro Whole Sale, Hosur Road, Bangalore 560100

रेमडेसिविर के इस्तेमाल पर रोक लगाने वाली याचिका खारिज

प्राप्त समाचार के अनुसार कोरोना महामारी में रेमडेसिविर इंजेक्शन का इस्तेमाल किया जाता है। इस इंजेक्शन के इस्तेमाल के खिलाफ साल 2020 में याचिका दायर की गई थी कोरोना के इलाज में इसके इस्तेमाल पर रोक लगाई जाये। याचिका में कहा गया था कि मीडिया में इन दवाओं का प्रचार कर लोगों को ठगा जा रहा है। इस याचिका को अब सुप्रीम कोर्ट की ओर से खारिज कर दिया गया है। याचिका में आरोप लगाया था कि दो दवाओं- रेमेडिसविर और फेविपिरविर को नियामक अधिकारियों से मंजूरी के बिना कोविड-19 रोगियों के इलाज के लिए प्रचारित किया जा रहा था। इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट की एक और बेंच ने अक्टूबर 2020 में केंद्र को नोटिस जारी किया था। साल 2021 में वकील एमएल शर्मा के द्वारा दायर की गई याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की ओर से केंद्र सरकार से जवाब मांगा गया था। याचिकाकर्ता ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की रिपोर्ट का हवाला देते हुए दावा कर कहा था कि रेमडेसिविर को लेकर कई ट्रायल हुए और जो सामने आया वो ये कि इस दवा का या तो बहुत जरा या बिल्कुल भी असर कोविड-19 के इलाज में नहीं दिखा है। याचिकाकर्ता एमएल शर्मा ने दावा कर ये भी कहा कि कोई भी रिपोर्ट इस बात को नहीं दर्शाती कि रेमेडिसविर किसी भी प्रकार से कोरोना के इलाज के लिए सफल है। याचिका को खारिज करते हुए देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पीएस नरशिमा और जेबी पारदीवाला की पीठ ने कहा कि इन मुद्दों की अदालत द्वारा जांच नहीं की जा सकती है। गौरतलब है कि साल 2021 में महामारी कोरोना वायरस की दूसरी लहर के वक्त रेमेडसिविर और फेविपिरविर दवाओं के इस्तेमाल पर चिकित्सा विशेषज्ञों के बीच आपस में काफी मतभेद रहा था। दोनों दवाओं को लेकर खूब डिबेट हुई थी।

अध्ययन से पता चलता है कि कैसे कृमि भ्रूण विशिष्ट, प्लुरिपोटेंट कोशिकाओं का उत्पादन करते हैं

वाशिंगटन: शोधकर्ताओं ने पता लगाया है कि राउंडवॉर्म क्रोमोसोम के भीतर विशिष्ट प्रोटीन कैसे उनकी संतानों को बाद में विशेष कोशिकाओं का उत्पादन करने में सक्षम बनाते हैं, एक चौंकाने वाली खोज जो पारंपरिक ज्ञान को चुनौती देती है कि सेल भेदभाव के लिए वंशानुगत जानकारी मुख्य रूप से डीएनए और अन्य आनुवंशिक कारकों के भीतर होती है। जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय की टीम की रिपोर्ट में कहा गया है कि पहली बार तंत्र जिसके द्वारा हिस्टोन एच3 नियंत्रित करता है कि कब और कैसे वर्म भ्रूण अत्यधिक विशिष्ट कोशिकाओं और प्लुरिपोटेंट कोशिकाओं दोनों का उत्पादन करते हैं, कोशिकाएं जो विभिन्न प्रकार के शरीर के ऊतकों का उत्पादन करने के लिए विशिष्ट जीन को चालू और बंद कर सकती हैं। नया शोध इस बात पर प्रकाश डाल सकता है कि इन प्रोटीनों से जुड़े उत्परिवर्तन विभिन्न रोगों को कैसे प्रभावित करते हैं। बच्चों और युवा वयस्कों में, उदाहरण के लिए, हिस्टोन एच3 विभिन्न प्रकार के कैंसर से निकटता से जुड़ा हुआ है। ये उत्परिवर्तन विभिन्न कैंसर में अत्यधिक प्रचलित हैं, इसलिए सेल भाग्य को विनियमित करने में उनकी सामान्य भूमिका को समझने और ऊतकों के संभावित भेदभाव से हमें यह समझने में मदद मिल सकती है कि उनमें से कुछ कुछ बीमारियों में अधिक प्रचलित क्यों हैं, प्रमुख लेखक रयान जे। ग्लीसन ने कहा, एक पोस्टडॉक्टोरल जॉन्स हॉपकिन्स में जीव विज्ञान में साथी। जिन हिस्टोन्स को हम देख रहे हैं वे कैंसर और अन्य बीमारियों में सबसे अधिक उत्परिवर्तित प्रोटीन हैं। हिस्टोन क्रोमैटिन के निर्माण खंड हैं, कोशिका के नाभिक के भीतर गुणसूत्रों का संरचनात्मक समर्थन। जबकि हिस्टोन H3 पौधों और जानवरों जैसे बहुको. शिकीय जीवों में विशेष रूप से प्रचुर मात्रा में है, एककोशिकीय जीव H3 के लगभग समान प्रकार के होते हैं। इसलिए वैज्ञानिकों को लगता है कि H3 और इसके प्रकार के राशन में अंतर इस रहस्य में महत्वपूर्ण सुराग रखता है कि शुरुआती विकास के दौरान प्लुरिपोटेंट को. शिकाएं इतनी बहुमुखी क्यों हैं। शोधकर्ताओं ने खुलासा किया कि सी. एलिगेंस राउंडवॉर्म के रूप मेंभ्रूण बढ़े, उनके सिस्टम में H3 के स्तर में वृद्धि ने उनके प्लुरिपोटेंट कोशिकाओं की क्षमता या प्लास्टिसिटी को प्रतिबंधित कर दिया।

जब टीम ने H3 की मात्रा कम करने के लिए कृमि के जीनोम को बदला, तो उन्होंने प्लुरिपोटेंसी के लिए समय की खिड़की को सफलतापूर्वक लंबा कर दिया, जो आमतौर पर पुराने भ्रूणों में खो जाता है। ग्लीसन ने कहा, जैसे-जैसे कोशिकाएं अलग-अलग होती हैं, आपको उस समय की अवधि में सौ गुना हिस्टोन एच 3 व्यक्त करना शुरू हो जाता है, जो कि वंश-विशिष्ट विनियमन के साथ मेल खाता है। जब आप भ्रूणजनन के दौरान एच 3 की मात्रा कम करते हैं, तो हम सेल भाग्य के वैकल्पिक पथों को अपनाने के लिए विकास के सामान्य पथ को बदलने में सक्षम थे। प्लुरिपोटेंट कोशिकाओं में, हिस्टोन विशिष्ट जीन प्रकारों को प्रतिबद्ध करने के लिए कुछ जीनों को चालू और बंद करने में मदद करते हैं, चाहे वे न्यूरॉन्स, मांसपेशियां या अन्य ऊतक हों। हिस्टोन द्वारा अत्यधिक विनियमित, जीन एक आवाज के रूप में कार्य करते हैं जो कोशिकाओं को बताते हैं कि कैसे विकसित किया जाए। एक जीन कितना शांत या तेज होता है यह कोशिका के भाग्य को निर्धारित करता है। नए निष्कर्ष जीन-एडिटिंग तकनीक CRISPR से आए हैं, जिसने टीम को कृमि की संतान के रूप में निभाई गई दो हिस्टोन की भूमिका को ट्रैक करने में मदद की। ग्लीसन ने कहा कि सीआरआईएसपीआर ने पिछले एक दशक में वैज्ञानिकों के लिए आनुवांशिक सामग्री को बदलने के नट और बोल्ट का अध्ययन करना और यह पता लगाना आसान बना दिया है कि यह जानवरों, पौधों और सूक्ष्म जीवों के लक्षणों के लिए क्या करता है। भले ही सी. एलिगेंस राउंडवॉर्म इन प्लुरिपोटेंट कोशिकाओं के विकास के बारे में बेहतर जानकारी देता है, इस बात पर और शोध की आवश्यकता है कि कैसे हिस्टोन मनुष्यों और सैकड़ों प्रकार की कोशिकाओं से बने जानवरों में भ्रूणजनन को रेखांकित कर सकते हैं, जॉन्स हॉपकिंस के शिन चेन ने कहा जीव विज्ञान के प्रोफेसर और सह-अन्वेषक। भले ही हम इन खोजों को बनाने के लिए इस छोटे कीड़े का उपयोग कर रहे हैं, वास्तव में यह खोज एक जानवर के लिए विशिष्ट नहीं होनी चाहिए, चेन ने कहा। यह कल्पना करना कठिन है कि निष्कर्ष केवल एक हिस्टोन या एक जानवर पर लागू होने जा रहे हैं, लेकिन निश्चित रूप से, अधिक शोध किए जाने की आवश्यकता है।

Organized By: WELL DONE MEDIA
13TH EDITION
23-24 JUNE 2023
GUWAHATI
Venue :- MANIRAM DEWAN TRADE CENTRE, GUWAHATI, ASSAM
National Highway 37, Bethkuchi Adjacent to ISBT & Balaji Temple, Guwahati, Assam 781035
HURRY! BOOK YOUR STALL NOW...
Exhibition For
Generic Drug Manufacturer
• 3rd party Manufacturing
• Contract Manufacturing
• Pharmaceutical Manufacturers
• Nutraceutical Manufacturers
• Herbal Manufacturers
• Ayurvedic Manufacturers
• Cosmetic, Personal Care
• Pharma Companies
• Surgical, Veterinary
• Medical Representative
• Franchise, PCD & C&F
• Wholesaler & Distributor
• Pvt. Hospital
• Product Manager etc.
FREE ENTRY
Pharma B2B Expo
Want Business Meet Us
8802572535 9868947397
info@pharmab2bexpo.com www.pharmab2bexpo.com
Timing 10:00 AM TO 6:00 PM

CONTACT FOR JOB WORK
Gaurav Panchal
ARYA PHARMA
Ph.: 9736190428, 9882252373
Email: aryapharmabaddi@gmail.com
Vill. Dharampur, Sai Road, Baddi, Solan (HP)

Work More, Always Smile

Pluto Biomeds Pvt. ltd.
A professionally managed company gaining a strong foothold in the pharmaceuticals industry

Products	We offer
• Tablets	• Attractive Promo Inputs
• Capsules	• Corporate Gifts
• Eye / Ear drops	• Yearly Bonanza
• Injectables	• Seasonal Bonanza
• Liquids (Suspension / syrups / Drops)	• Visual Aid
• Protein Powders	• Order book
• Dry Syrups	• Reminder Cards
• Soaps	• Catch covers
• Ointments and Gels	• Product Literatures
• Mouthwash	

BUSINESS OPPORTUNITY
Marketing and distribution rights available for unrepresented areas on monopoly basis.
CALL TODAY +91 9897 688 009
A-60, 1-2 Floor, Transport Nagar, Dehradun-248002, Uttarakhand
Mob 98976 88009 email: plutobiomeds@gmail.com

दिल्ली में 3 साल तक रहने पर कैंसर का खतरा

प्राप्त समाचार के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लगातार वायु प्रदूषण बढ़ता ही जा रहा है। हालात ये हो गए हैं कि इस शहर में सांस लेना भी मुश्किल हो गया है। हाल ही में हुए सर्वे में दावा किया है कि यदि आप लगातार 3 सालों तक किसी वायु प्रदूषण वाले शहर में रह गए तो आपको फेफड़ों का कैंसर होने का खतरा 73 प्रतिशत तक है। हाल ही में हुए 33 हजार लोगों के ऊपर की गई स्टडी के बाद ये दावा किया गया है। जिन लोगों पर स्टडी की गई वो तमाम लोग लंग कैंसर से पीड़ित थे। इन लोगों की जांच की गई तो इनके फेफड़ों में बेहद बारीक प्रदूषणकारी कण पाए गए। प्रदूषकारी कण फेफड़ों में होने की वजह से लंग कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। जो लोग स्मोकिंग भी नहीं करते हैं वो भी लंग कैंसर से पीड़ित थे। रिसर्चर चार्ल्स स्वैंटन ने बताया कि जैसे-जैसे इंसान की उम्र बढ़ती है शरीर में कैंसर को बढ़ाने वाली कोशिकाएं बढ़ती जाती है। लेकिन आमतौर पर ये कोशिकाएं नहीं बढ़ती हैं। लेकिन वायु प्रदूषण के संपर्क में आने पर शरीर में ये कोशिकाएं बढ़ने लगती है। जिसके कारण ट्यूमर होने और बाद में कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है। रिसर्चर चार्ल्स स्वैंटन ने कहा कि लंग कैंसर की मुख्य वजह वायु प्रदूषण है। पूरी दुनिया को मिलकर इसे कम करने और रोकने का प्रयास करना चाहिए। जिससे लोगों की सेहत पर बुरा असर ना पड़े। हर साल लंग कैंसर की वजह से 80 लाख लोगों की मौत हो जाती है। वायु प्रदूषण के कारण लंग कैंसर के साथ-साथ दिल की बीमारी समेत कई स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो जाती है।

Gynae Range
ML-Dydro Dydrogesterone 10mg
Melcad-XT Calcium Carbonate, Vitamin D3, Methylcobalamin, L-Methyl Folate Calcium & Pyridoxal-5 Phosphate
con Cfree Cyproterone Acetate & Ethinylestradiol
Ovrimus Dehydroepiandrosterone (SR), Folic Acid & Vitamin D3 Tablets
Dinoday Dienogest 2mg
Maface
Estradics
ML-Troz 2.5 / 5
ML Steron
Allysher
Likevit
ML-Gest 200
ML-Gest 200 SR
ML-Gest 300 SR
Vomidics
Tnm-MF
Utiros
ML Fer XT
Rexgest
Likevit 4G
Clomix-50
Clomix-100

Medics Lifecare (Care & Wellness)
Committed to Excellence in Healthcare Services
MEDICS LIFECARE headquartered in Roorkee (Uttarakhand), is a pharmaceutical company with having a presence across the nation. We are one of the BEST PCD Pharma companies in India. We ensure innovative, high quality and affordable solutions in medicine. Our prime focus is to be innovative by introducing new products to cater to the advancing medical needs. We have a significant presence across various therapeutic areas like Gyanecology, Gastroenterology, Antibiotics, Orthopaedics, Nutraceuticals & Opthalmic Division.
YOUR ENQUIRIES ARE WELCOME FOR
FRANCHISE/PCD & DISTRIBUTION
Monopoly Business Rights for Unrepresented Area all over India
More than 100 High Quality Products manufactured under WHO-GMP Norms
• TABLETS • CAPSULES • SOFTGELS • SYRUPS • DRY SYRUPS • INJECTABLES • OINTMENTS
Providing all Marketing Support
Latest & New DCGI Molecules
Complete range of Latest Molecules
Customised Orders
Third Party Enquiries also Welcome
Why we are Ahead
Feel Free to Ask For Latest Molecules in:
• TABLETS • EYE DROPS • OINTMENTS • CAPSULES • EAR DROPS • LOTIONS • SOFTGELS • SOAPS • DRY SYRUPS • SYRUPS • NASAL DROPS • INJECTABLES
Corporate Office: 12/8, Civil Lines, Near Dominoz Plaza, Roorkee, Distt-Haridwar (U.K.) 247667
info.medicslifecare@gmail.com
medicslifecare@gmail.com
www.medicslifecare.com

Our Range
TABLET
CAPSULE
DRY SYRUP
OINTMENT
SYRUP
INJECTABLE
HERBAL PRODUCTS
SHAMPOO
SOAP
SOFT GEL
PROTEIN POWDER
SACHET
Our Group Companies
ZANEKA Healthcare Ltd.
Ambience Pharma
Ambience Pharma
R.D.N. PHARMACEUTICALS
Avrio Lifecare "For a better tomorrow"
Ambience Pharma
Contributing to the HEALTH of Individuals WORLD WIDE
Why WE ?
• Attractive Packing & Best Quality Medicines
• Latest Molecules & High Efficacy
• Monopoly Rights & Timely Delivery
• Competitive Price with Best Promotional Inputs
• Special Schemes for Nursing Homes & Hospitals.
• Wide Range of More than 400 Products
OUR TOP SELLING PRODUCTS
• Ampicillin 250 mg + Dicloxacillin 250 mg Capsule
• Itraconazole 400 SR / 200/ 100 Capsules
• Levofloxacin 250 mg + Ornidazole 500 mg Tablets/Kid Suspension
• Etoricoxib 60 mg + Thiocolchicoside 4 mg Tablets
• Rabeprazole 20 mg + Domperidone 30 mg Capsules
• Esomeprazole 40 mg + Domperidone 30 mg Capsules
• Cefpodoxime Proxetil 200 mg + Ofloxacin 200 mg Tablets
• Lyophilized Sachromyces Boulardii Sachets
• Rabeprazole 20 mg + Levosulpride 75 mg Capsules
• Lactitol Suspension
• Clopedogrel Tablets 75 mg
• Codeine Syrup
• Lactulose 10 g + White Dextrin 3.5 g + Polydextrose 2.1 g & Fructo-oligosaccharides 2.5 g Suspension
Third Party Manufacturing in WHO-GMP Unit.
Dedicated Plant for Clav Products.
TRADE ENQUIRES ARE WELCOME FOR PCD / FRANCHISEE / THIRD PARTY MANUFACTURING AT :-
Ph. +91-9997971077, +91-9627761357
Email :- ambiencepharma@gmail.com
www.ambiencepharma.com

अमेरिका का दावा अब वैक्सीन से होगा कैंसर और हार्ट पेशेंट का इलाज

प्राप्त समाचार के अनुसार आज के दौर में कैंसर और हार्ट की बीमारी होना तो जैसे आम बात हो गई है। दिनोंदिन दुनिया भर में इन दोनों बीमारियों से ग्रसित मरीजों की संख्या में इजाफा होता जा रहा है। लेकिन हाल ही में अमेरिकी एक्सपर्ट ने दावा किया है कि अब कैंसर और हार्ट की बीमारी सहित कई बीमा. रियों का इलाज वैक्सीन के माध्यम से हो सकेगा। अमेरिका के एक प्रमुख फार्मास्युटिकल फर्म का कहना है कि उसे पूरा यकीन है कि कैंसर, दिल और ऑटोइम्यून बीमारियों सहित कई गंभीर रोगों के लिए वैक्सीन्स साल 2030 तक तैयार हो जायेगी। शोधकर्ताओं का कहना है कि 15 से हो रहे लगातार शोध के बाद ये सफलता हासिल हुई है। कोविड 19 की वैक्सीन की वजह से ऐसा हो पाया है। फार्मास्युटिकल कंपनी मॉडर्ना के चीफ मेडिकल ऑफिसर डॉ. पॉल बर्टन ने कहा कि फर्म में 5 सालों के भीतर सभी बीमारियों से लड़ने के लिए वैक्सीन तैयार हो जायेगी। ये फर्म वैसी वैक्सीन बनाने की तैयारी में है, जिससे कैंसर के अलग-अलग ट्यूमर को ठीक किया जा सके। डॉ. पॉल बर्टन ने कहा कि हमारे फर्म में तमाम बीमारियों से लड़ने के लिए वैक्सीन होगी। ये वैक्सीन काफी पॉजिटिव साबित होगी जिससे सैकड़ों लोगों की जान बच सकेगी। डॉ बर्टन ने कहा कि मुझे ऐसा लगता है कि हमारी फर्म दुनिया भर के लोगों को कैंसर के अलग-अलग प्रकार के ट्यूमर के खिलाफ वैक्सीन देने में सक्षम होगी। एक ही वैक्सीन की मदद से कई रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन्स को कवर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि हमारे पास दुर्लभ बीमारियों के लिए एमआरएनए-बेस्ड थेरेपीज होंगी, जो पहले नहीं थीं. मुझे यह भी लगता है कि आज से 10 सालों के बाद हम एक ऐसी दुनिया में कदम रखेंगे, जहां आप किसी बीमारी के आनुवंशिक कारण की आसानी से पहचान कर सकेंगे।

Geneka गिनिका Group
Our Plants
JINEKA HEALTHCARE PVT. LTD.
JINEKA HEALTHCARE -1
JINEKA HEALTHCARE -2
GENEKA DRUG PVT. LTD.
VEDA GENEKA
CORONA GRAPHIC
GENEKA FOILS
We are Having Following Facilities :
TABLETS | CREAM/OINTMENT | HORMONAL LIQUID INJECTION | SOFT-GELATIN CAPSULE
HARD-GELATIN CAPSULE | LIQUID INJECTABLE | CLAVULANIC ALL RANGE | LIQUID ORALS
VETERINARY PREPARATION | MEDICATED SOAPS | BETA-LACTUM TABLETS | EXTERNAL PREPARATION
EXTERNAL PREPARATION | ORAL POWDER | NUTRACEUTICAL PRODUCT | DRY INJECTABLE
HORMONAL TABLETS | FOOD SUPPLEMENT | AEROSOL SPRAY
CONTACT INFORMATION :
Geneka गिनिका Group
CONTACT PERSON
Mr. SANKET SHARMA
Mobile : +91-8394904000
E-mail : sanket.jineka@gmail.com
M/S JINEKA HEALTH CARE PVT LTD
Plot No.15, Sector 6B IIE Ranipur
SIDCUL, Haridwar, Uttarakhand (INDIA)
Website : www.genekagroup.com
Follow us:

फाइजर आरएसवी वैक्सीन शिशुओं में गंभीर संक्रमण में 82 प्रतिशत प्रभावी, अंतिम डेटा दिखाता है

नई दिल्ली: फाइजर इंक का प्रायोगिक श्वसन सिंकिटियल वायरस (आरएसवी) टीका शिशुओं में गंभीर संक्रमण को रोकने में 82 प्रतिशत प्रभावी था, जब गर्भवती माताओं को उनकी गर्भावस्था के दूसरे छमाही में दिया गया था. अध्ययन से अंतिम डेटा जो जल्दी रुक गया था जब यह स्पष्ट हो गया कि टीका प्रभावी था, न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित हुआ था। फाइजर ने नवंबर में वैक्सीन पर प्रारंभिक परीक्षण के परिणाम जारी किए जो वर्तमान में संयुक्त राज्य यूरोप दोनों में स्वास्थ्य नियामकों द्वारा समीक्षा के अधीन हैं। यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के अगस्त तक इसके इस्तेमाल पर फैसला लेने की उम्मीद है। Sanofi और Astr±eneca शिशुओं में RSV की रोकथाम के लिए एकल-खुराक एंटीबॉडी, निर्सेविमाब विकसित कर रहे हैं, जो कि FDA समीक्षा के अंतर्गत भी है। फाइजर का टीका, RSVpreF, अंतिम चरण के अध्ययन के दो मुख्य लक्ष्यों में से एक को पूरा करता है। जीवन के पहले 90 दिनों में शिशुओं में गंभीर निचले श्वसन पथ की बीमारी, जैसे बहुत कम ऑक्सीजन स्तर या वेंटिलेटर समर्थन की आवश्यकता को रोकने में यह लगभग 82 प्रतिशत प्रभावी था। फाइजर ने कहा कि प्लेसीबो समूह के 33 शिशुओं की तुलना में 6 शिशुओं में तीन महीने के भीतर गंभीर बीमारी हुई, जिनकी माताओं ने टीका प्राप्त किया था, जिन्होंने गंभीर आरएसवी संक्रमण का अनुबंध किया था। कंपनी ने अध्ययन के हिस्से के रूप में 3,570 शिशुओं का मूल्यांकन किया। पहले 180 दिनों में गंभीर संक्रमण को रोकने में शॉट 69.4 प्रतिशत प्रभावी था। प्लेसीबो समूह में 62 शिशुओं की तुलना में, वैक्सीन समूह में माताओं से पैदा हुए 19 शिशुओं में छह महीने के भीतर गंभीर बीमारी हुई। शॉट शिशुओं में गैर-गंभीर बीमारी को कम करने के दूसरे मुख्य लक्ष्य को पूरा करने में विफल रहा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका में हर साल RSV संक्रमण के कारण 5 वर्ष से कम उम्र के लगभग 58,000 से 80,000 बच्चे अस्पताल में भर्ती होते हैं, और शिशु गंभीर बीमारी के लिए सबसे बड़े जोखिम में होते हैं।

जीएसके साइनेक्सिस से लाइसेंस प्राप्त खमीर संक्रमण गोली के लिए उच्चतम बिक्री

लंदन: ब्रिटिश दवा निर्माता जीएसके खमीर संक्रमण के इलाज के लिए एक दवा के लिए + 500 मिलियन से अधिक की चरम बिक्री देखता है, जिसे उसने घोषित + 90 मिलियन के सौदे में यूएस बायोटेक कंपनी स्काइनेक्सिस से लाइसेंस प्राप्त किया, एक शीर्ष जीएसके कार्यकारी ने कहा। स्काइनेक्सिस, जो एंटी-फंगल उपचार में माहिर है, के सबसे हालिया वित्तीय परिणामों के अनुसार, गोली, ब्रेक्सफेम, ने पिछले वर्ष की तीसरी तिमाही में केवल +1.6 मिलियन का राजस्व कमाया। लेकिन जीएसके के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी ल्यूक माइल्स पत्रकारों से कहा कि उन्हें विश्वास है कि डॉक्टरों और रोगियों के बीच जागरूकता पैदा करने के अनुभव वाली एक बड़ी फार्मा कंपनी के रूप में, जीएसके समय के साथ उत्पाद के प्रक्षेपवक्र को बदल सकता है। यूएस सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के अनुसार, 75 प्रतिशत तक महिलाओं में कम से कम एक बार वल्वोवेजाइनल कैंडिडिआसिस होता है, जिसे आमतौर पर योनि खमीर संक्रमण के रूप में जाना जाता है। जीएसके ने एक बयान में कहा कि ब्रेक्सफेम अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन नियामक द्वारा अनुमोदित एकमात्र मौखिक गोली उपचार है। माइल्स ने कहा कि जीएसके आंशिक रूप से सौदे के लिए आकर्षित हुआ क्योंकि साइनेक्सिस को कठिनाई थी. जो उन्होंने कहा कि बायोटेक फर्मों के लिए सामान्य था. अमेरिका में चिकित्सा पेशेवरों और संभावित ग्राहकों को मौखिक उपचार के बारे में जागरूक करने के लिए पर्याप्त निवेश जुटाना। हमें लगता है कि यह सिर्फ पैमाने का एक कार्य है, उन्होंने कहा, जीएसके को जोड़ने से पिछले पांच वर्षों में अपनी ब्लॉकबस्टर जैसे प्राथमिक देखभाल उपचार शुरू करने का एक मजबूत रिकॉर्ड था। शिंग्रिक्स वैक्सीन। उन्होंने कहा कि यह मत कहिए कि ब्रेक्साफेम की बिक्री चरम पर कब पहुंचने की उन्हें उम्मीद थी. घोषित किए गए समझौते ने जीएसके को इनवेसिव कैंडिडिआसिस के संभावित उपचार के लिए दवा विकसित करने का अधिकार भी दिया, जो एक जीवन-धमकाने वाला फंगल संक्रमण है, जो वर्तमान में अंतिम चरण के नैदानिक परीक्षणों में है। यह 2026 में उस संकेत के लिए उत्पाद लॉन्च करने की उम्मीद करता है, मिल्स ने कहा। जीएसके के पास विकास के लिए दो अन्य एंटीबायोटिक्स हैं, जिनमें जटिल मूत्र पथ के संक्रमण के लिए जिपोटिडासिन भी शामिल है, जो कि अंतिम चरण के परीक्षणों में है। यह अगली पीढ़ी के एंटीबायोटिक दवाओं के अनुसंधान में निवेश करने वाली बड़ी फार्मा कंपनियों में से एक है, जहां दशकों में कोई बड़ी सफलता नहीं मिली है, दुरुपयोग और अति प्रयोग के कारण दवा प्रतिरोधी बैक्टीरिया और अन्य रोगाणुओं के उदय के बारे में चिंता बढ़ रही है। एंटीबायोटिक दवाओं का।

HELAX HEALTHCARE PRIVATE LIMITED
WHO-GMP compliant Facility with cGMP, CGLP & An ISO 9001 : 2015, ISO 22000 : 2018 Certified
PHARMACEUTICAL FORMULATION, AYURVEDIC & UNANI, NUTRACEUTICAL FSSAI SUPPLEMENTS.
TABLETS PREPARATION
(Hormones, Beta Lactum & Non- Betalactum)
ORAL LIQUID PREPARATION
(Syrup, Elixirs and Suspensions, Tonic & Drops)
CAPSULES, DRY SYRUP, SACHETS & POWDER PREPRATION
(Beta Lactum, Non - Betalactum, ORS, Probites & Vitamines)
EXTERNAL PREPARATION
Medicated Soap, Dusting Powder, Aerosol Spray
(Ear Drops, Ointments, Lotion, Cream Tooth Paste & Mouth Wash)
FOOD & NUTRACEUTICAL (FSSAI) SECTIONS
(Tablets, Capsules, Dry Suspension, Syrup, Tonic & Drops & SACHETS) (Protein Powders, Probiotics & Multivitamine)
AYURVEDIC & UNANI
(Capsules, Syrup, Ointment, Oil, Churn & Soap)
VETERINARY SECTIONS-CAPTAB & BOLUS
(Hormones, Beta Lactum, Non- Betalactum & Feed Supplements Captab & Bolus) Pesticides, Aerosol Spray, Ointment, Lotions, Pets Soap & Shampoo, Oral Calcium Liquid, Chelated Minerals & Feed Supplements Powder & Sachets
AYURVEDIC & FEED (Capsules, Bolus, Liver & Utrain Liquid, Ointment, Churn & Soap)
DIRECTOR: HARSH GUPTA 7417 935 356 mfg.helax@gmail.com
FACTORY : KHASRA NO. 410, VILL. KARONDI, ROORKEE, Distt. HARIDWAR

भारत ने ग्लोबल फार्मा के आईड्रॉप को बताया स्टैंडर्ड, अमेरिका ने दिखाया था रेड सिग्नल

प्राप्त समाचार के अनुसार हाल ही में चेन्नई में स्थित भारतीय फार्मा कंपनी ग्लोबल फार्मा के द्वारा निर्मित आईड्रॉप को अमे. रिकी बाजार से वापस मंगवा लिया गया। अमेरिकी फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (US FDA) ने आरोप लगाया कि इस ड्रॉप के इस्तेमाल से अमे. रिका में कई लोगों की आंखों में संक्रमण हो गया, आंखों की रोशनी चली गई साथ ही मौत भी हो गई। इन आरोपों के बाद ग्लोबल फार्मा हेल्थकेयर द्वारा निर्मित आईड्रॉप 'आर्टिफिशियल टीयर्स' की भारत में जांच की गई थी। जांच में आईड्रॉप मानकों पर खरा उतरा है। उसमें किसी तरह की कोई कमी नहीं पायी गई है। बताया जा रहा है कि जांच के लिए 'आर्टिफिशियल टीयर्स' के जो सैम्पल्स लिए गए थे, उनके नतीजों में यह सामने आया है कि ये स्टैंडर्ड क्वॉलिटी पर बिल्कुल खरे उतरे हैं। सीडीएससीओ और तमिलनाडु ड्रग रेगुलेटर ने फरवरी में कंट्रोल्ड सैम्पल्स और 'आर्टिफिशियल टीयर्स' को बनाने में इस्तेमाल होने वाले रॉ मैटेरियल्स का सैम्पल लिया था। यूएसएफडीए (US FDA) ने अब तक कुछ नहीं कहा है, तो सीडीसी के हवाले से आ रही खबर के बाद ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (DCGI) ने इस खबर पर उनकी प्रतिक्रिया को लेकर लिखा है कि आपका क्या मानना है? डीसीजीआई को यूएसएफडीए के जवाब का इंतजार है। जब Artificial Tears को लेकर दो महीने पहले खबर आई, तब से यूएसएफडीए ने ग्लोबल फार्मा हेल्थकेयर के किसी भी प्रोडक्ट को अब तक प्रति. बंधित नहीं किया है। जांच होने के बाद भारत की ड्रग रेगुलेटर सीडीएससीओ ने अमे. रिका की ड्रग रेगुलेटर यूएसएफडीए से सम्पर्क किया है और उनसे उनका कमेंट मांगा है। एफडीए ने इससे पहले भी दावा किया था कि चेन्नई में स्थित ग्लोबल फार्मा के द्वारा बनाई गई आई ड्रॉप के इस्तेमाल से 55 लोगों की आंखों में संक्रमण की समस्या हो गई। जबकि 8 लोगों की आंखों की रोशनी जा चुकी है वहीं 3 लोगों की मौत हो गई है।

इंजेक्शन लगते ही मरीजों की हालत बिगड़ी

प्राप्त समाचार के अनुसार राजस्थान के भरतपुर में स्थित आरबीएम हॉस्पिटल में इंजेक्शन लगते ही 6 मरीजों की हालत बिगड़ गई। हॉस्पिटल के हड्डी विभाग में भर्ती मरीजों को ड्यूटी नर्सिंग स्टाफ ने शाम का ट्रीटमेंट लगाया था। तभी अचानक 6 मरीजों की एक के बाद एक तबियत बिगड़ गई और उन्हें कंपकंपी आने लगी। इस मामले की सूचना प्राप्त होते ही मौके पर पहुंचे डा. सुनील एरन ने रिएक्शन रोकने के लिए हाईड्रोकोर्टिसोन इंजेक्शन व एविल डेक्सोना इंजेक्शन लगाए। तब जाकर मरीजों की हालत में थोड़ा सुधार हुआ। इस मामले के बाद एंटीबायोटिक इंजेक्शन और डिस्टिल वाटर के सैंपल सुरक्षित रख लिए और उस बैच के इंजेक्शन के इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई है। अधीक्षक डा. के.सी. बंसल ने इस मामले को लेकर कहा कि कई बार बोतल चढ़ाने के दौरान राइगर होने पर मरीजों को कंपकंपी होने लगती है ऐसा इंजेक्शन लगाने के बाद भी होता है। लेकिन जिस एंटीबायोटिक सेफ्ट्रिक्सोन इंजेक्शन के लगाने से मरीजों को परेशानी हुई वह तो अन्य कई मरीजों को भी उसी समय लगाए गए थे। ऐसी स्थिति में इंजेक्शन के खराब होने के चांस कम लगते हैं, लेकिन डिस्ट्रिल वाटर में कोई कमी हो तो जांच करा लेंगे कोई फंगस या अन्य कारण तो नहीं है। फिलहाल उनके सैंपल ले लिए हैं और इस बैच वाले इंजेक्शन के इस्तेमाल करने पर पाबंदी लगा दी है। इसके कारणों का पता लगाया जाएगा। एंटीबायोटिक इंजेक्शन और डिस्टिल वाटर लगाने के बाद जिन मरीजों की हालत बिगड़ी है उनके नाम इस प्रकार हैं- लुहासा नदबई निवासी रघुवीर, श्रीनगर रूपवास निवासी पुष्पेंद्र, भुसावर निवासी वीरु, भवनपुरा जघीना निवासी कृष्ण गोपाल, मेड़था रूपवास निवासी रामनरेश, छोटी भांडोर निवासी खुशबू। हड्डी वार्ड में भर्ती इन मरीजों को इंजेक्शन लगते ही इनकी हालत बिगड़ गई।

Nothing is impossible
Everything is possible

16950 नशीली दवाओं के साथ डीसा से सप्लायर गिरफ्तार

प्राप्त समाचार के अनुसार केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरों की टीम ने इन दिनों लगातार पश्चिमी राजस्थान के जिलों में छापेमारी कर रही है। CBN की टीम ने गुजरात के डीसा (Deesa) से नशीली दवाइयों की सप्लाई करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी डीसा से बाड़मेर और सांचौर से नशीली दवाइयों की सप्लाई करता था। आरोपी के पास से 16950 ऐड्रनोक टैबलेट (प्रतिबंधित नशीली दवाइयां) जब्त की गई है। आरोपी को पहल बाड़मेर कोर्ट में पेश किया गया उसके बाद जेल भेज दिया गया। 21 दिन पहले ही CBN की टीम ने 8 लाख नशीली दवाईयां को जब्त कर बाड़मेर और सांचौर से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था। सूचना के आधार पर ही टीम चारों ओर दबिश दे रही थी। चार अलग-अलग टीमों ने बाड़मेर और सांचौर के गोदामों और दुकानों पर दबिश देकर बड़ी मात्रा में नशीली दवाईयां जब्त की। बाड़मेर और सांचौर में नशीली दवाइयों का कारोबार करने वाले चार आरोपियो को गिरफ्तार किया गया। इन आरोपियों की दुकान और गोदाम से 8 लाख रुपए से अधिक की नशीली दवाएं जब्त की गई। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरों सुप्रीडेंट एसपी सिंह के द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक बीते दिनों बाड़मेर और सांचौर से 8 लाख से ज्यादा नशीली दवाइयां बरामद की थी। चार आरोपी गिरफ्तार किए थे। पूछताछ में कई संदिग्धों के नाम सामने आए थे। सूचना प्राप्त हुई थी कि गुजरात के डीसा में एक व्यक्ति नशीली दवाइयां सप्लाई करने जा रहा है। हमारी टीम ने डीसा में दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। 16950 ऐड्रनोक टैबलेट जब्त की है। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरों सुप्रीडेंट एसपी सिंह ने कहा कि पश्चिमी राजस्थान में दिनोंदिन नशा करने वाले युवाओं की संख्या बढ़ती जा रही है। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि युवाओं को नशे से दूर रहना चाहिए। नशे से कभी किसी का भला नहीं हो पाया है। अच्छा भला घर नशे की लत के कारण उजड़ जाता है।

महाराष्ट्र सरकार लोगों को टीका लेने के लिए प्रोत्साहित करेगी

मुंबई: कोविड मामलों में वृद्धि के साथ, राज्य का स्वास्थ्य विभाग एक बार फिर लोगों को बूस्टर खुराक लेने के लिए प्रोत्साहित करेगा. यह निर्णय राज्य के स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में लिया गया. नागरिक अधिकारियों ने भी उपनगरों में अपने कुछ छोटे अस्पतालों को COVID मामलों में और वृद्धि होने की स्थिति में आइसोलेशन इकाइयों को तैयार रखने के लिए कहा है। राज्य के स्वास्थ्य सचिव नवीन सोना ने कहा कि बूस्टर खुराक देने की गति बढ़ाने की जरूरत है. उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में टेस्टिंग बढ़ाई जानी चाहिए और 30 से कम सीटी वैल्यू वाले सैंपल को जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजा जाना चाहिए। हालांकि, कम परीक्षणों के कारण COVID मामलों की दैनिक संख्या में गिरावट आई 562 मामलों की तुलना में राज्य में मामलों में 55 प्रतिशत की गिरावट (248) दर्ज की गई। इसी तरह की गिरावट मुंबई में देखी गई, जहां 75 मामलों का पता चला। औरंगाबाद में एक मौत दर्ज की गई, जबकि राज्य में सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 3,532 हो गई, जिसमें मुंबई में 1,079 शामिल हैं। बीएमसी के कार्यकारी स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मंगला गोमारे ने कहा, ज्यादातर मामले हल्के और आत्म-सीमित होते हैं, लेकिन कुछ उच्च जोखिम वाले समूहों (बुजुर्ग, बीमार लोगों, गर्भवती महिलाओं) को अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता हो सकती है। अंधेरी में सेवन हिल्स अस्पताल और सात रास्ता के पास कस्तूरबा अस्पताल इस समय मुख्य कोविड प्रवेश केंद्र होंगे। अस्पतालों के मुख्य अधीक्षक डॉ विद्या ठाकुर ने कहा कि बांद्रा में भाभा, घाटकोपर में राजावाड़ी और कांदिवली में शताब्दी सहित पांच मुख्य उपनगरीय अस्पताल अगले आदेश तक स्टैंडबाय पर रहेंगे। माहिम के हिंदुजा अस्पताल के संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. उमंग अग्रवाल ने कहा कि अस्पताल में भर्ती होने की दर बहुत अधिक नहीं है।

Ideas for Tomorrow...

EMPOWERING YOU IN BUILDING YOUR OWN BRAND
We are more than just a private label / white label / contract manufacturer of vitamins, minerals, supplements, nutraceuticals and other cosmetic products 'creams, gels, oil's, soap, shampoo'
We'll turn your ideas a reality!
BUILDING BRANDS
U.S. Food and Drug Administration FDA REGD.
iPL PRIVATE LABEL NUTRITION
No.194/2, 2ND FLOOR, Beretena Agarahara, Behind Metro wholesale, Hosur Road, Bengaluru-560100.
Website: www.privatelabelnutrition.in
ENQUIRY NOW +91 98453 29972 / +91 76768 54563

स्वप्न शास्त्र

जमीन पर दाना डालना

डॉ॰ सुरेन्द्र कुमार शर्मा

समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त होगी तथा कारागार से मुक्ति मिलेगी परिजनों के मध्य स्नेह की प्राप्ति होगी तथा रिश्तों में मधुरता आएगी। निवास स्थान में परिवर्तन होगा तथा भूमि इत्यादि का क्रय होगा। स्थानांतरण होने की संभावना है। नये-नये व्यक्ति से संपर्क स्थापित होंगे तथा व्यापारिक सहयोग प्राप्त होगा। मित्रों की संख्या में वृद्धि होगी तथा उपहारों की प्राप्ति होगी। अपूर्ण कार्य पूर्ण होंगे तथा दांपत्य सुख प्राप्त होगा। किसी विशेष कार्य में अधिकारियों से सहयोग प्राप्त होगा तथा नया व्यवसाय प्रारंभ कर सकेंगे। घरेलू व्यय में कटौती होगी तथा धन का संचय होगा। शुभ कार्यों पर धन का व्यय होगा तथा स्थिति सामान्य रहेगी। जीवनसाथी से संबंधों में सुधार होगा तथा नौकरी में परिस्थितियां अनुकूल होंगी। अपने कार्य क्षेत्र में भागीदारों से सहयोग प्राप्त होगा तथा अपनी कार्यकुशलता प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त होगा। आय तथा अधिकारों में वृद्धि होगी। भागीदारों के साथ चल रहे विवादों की समाप्ति होगी। पति-पत्नी के संबंधों में सामंजस्य स्थापित होगा तथा आपसी विश्वास में वृद्धि होगी।

स्वयं को नेत्रहीन देखना

बुरे कार्यों में प्रवृत्त होंगे तथा गलत व्यक्तियों से संबंध स्थापित होंगे। शराब इत्यादि दुर्घटनाओं के शिकार होंगे तथा परिस्थितियां प्रतिकूल होंगी। कोई मूल्यवान वस्तु अकस्मात गुम हो जाएगी। आयात निर्यात संबंधी कार्य में अत्यधिक हानि होगी तथा आर्थिक स्थिति लड़खड़ा जाएगी। व्यापार में भागीदारी के साथ विवाद होने की संभावना है। मारपीट होने की नौबत आ सकती है। कार्यों में विफलता प्राप्त होगी। धन की कमी घरेलू सुख-सुविधाओं में रहेगी। पति-पत्नी के मध्य संबंधों में कटुता आएगी तथा दांपत्य सुख में कमी रहेगी। माता एवं पिता से अनबन होगी तथा संबंध खराब होंगे। किसी मित्र से विवाद हो सकता है तथा धन संबंधी कार्यों में मारपीट हो सकती है। विदेश यात्रा स्थापित होगी तथा प्रेम संबंध खराब होंगे। किसी मित्र से विवाद हो सकता है तथा धन संबंधी कार्यों में मारपीट हो सकती है। विदेश यात्रा स्थागित होगी तथा प्रेम संबंधों में विफलता प्राप्त होगी। कानूनी कार्यों में अड़चनें आएंगी तथा अदालत संबंधी फैसलों के द्वारा हानि हो सकती है। व्यापार कार्यों में अनिश्चितता की स्थिति रहेगी।

– सुरेन्द्र कुमार शर्मा, मो॰ 9711034710, 8630907504.

जैसी करनी वैसा फल
आज नहीं तो निश्चय कल

जन्मदिन पर ढेर सारी हार्दिक शुभकामनाएं

SHRI KISHOR KUMAR JI	AGRA	10/04/1971	9837063302
SHRI SHRENIK GANDHI JI	PUNE	12/04/1968	7719973776
SHRI NARESH KUMAR JI	AGRA	12/04/1982	8126423671
SHRI ADHIKRAOA. PATIL JI	SATARA	13/04/1972	9881191904
MR. PATITAPABAN PRADHAN JI	ANGUL	14/04/1971	9438755750
SHRI JAGDISH PALOD JI	JALGAON	14/04/1958	9890032427
SHRI KAPIL AHER JI	NASHIK	14/04/1986	9766880970
MR. ROHIT KUMAR JI	MEERUT	15/04/1988	8958226060
SHRI AVNISH BORSE JI	NASHIK	15/04/1989	9881701142
SHRI ANANDA PRADHAN JI	BARGARH	17/04/1985	9778524123
SHRI DEEPAK AHUJA JI	NAGPUR	19/04/1975	9527261851
SHRI RAJNESH KUMAR KATARYA JI	FARRUKHABAD	20/04/1996	9839441078
SHRI VISHAL D. GANDHI JI	PUNE	21/04/1975	9822516301
SHRI BRIJENDRA SHARMA JI	ALWAR	21/04/1972	9829990043
SHRI UMAKANT LIMJE JI	BHANDARA	22/04/1985	8421539989
SHRI SUNIL KUMAR D.MODI JI	AHMEDABAD	23/04/1979	9428407501
SHRI PRASHANT P. PATIL JI	SATARA	24/04/1971	9822077427
SHRI MAYUR R. DEORE JI	NASHIIK	24/04/1992	9423508673
SHRI K.C. PRADHAN JI	BARGARH	25/04/1961	9437393639
SHRI RUPESH G. JIWTODE JI	NAGPUR	25/04/1989	8408889422
SHRI PRAVIN S. BHANDARE JI	NASHIK	27/04/1982	9890634035
SHRI GAURAV AVINASH JI	JALGAON	27/04/1992	9209155670
SHRI MARATHE D.G JI	NASHIK	29/04/1976	9373121373
SHRI MAYUR MUTHA JI	PUNE	29/04/1985	9011049015
SHRI RAJESH K. BHANGALE JI	JALGAON	01/05/1969	9763790007
SHRI YOGESH MARKAND JI	NASHIK	01/05/1989	8999434537
SHRI. SUMIT KUMAR GUPTA JI	BULANDSHAHR	01/05/1982	9410483138
SHRI. SAURABH TOMAR JI	BULANDSHAHR	01/05/1988	8273095054
SHRI SUMIT KUMAR GUPTA JI	BULANDSHAHR	01/05/1982	9410483138
SHRI ANJU A.GUPTA JI	GONDIA	01/05/1984	9423414562
SHRI NILESH S. JAIN JI	NASHIK	01/05/1984	9823755528
SHRI SAURABH TOMAR JI	BULANDSHAHR	01/05/1988	8273095054
SHRI HARIOM SINGHAL JI	AGRA	02/05/1970	9412332030
SHRI ATUL GARG JI	PANCHKULA	02/05/1977	9896074202
SHRI KARAN RAJ JAIN JI	HYDERABAD	02/05/1968	9391083353
SHRI SATISH KUMAR M. SHIVRAME JI	JALGAON	02/05/1970	9325079255
SHRI NARENDRA A. MAHESHWARI JI	BANASKANTHA	03/05/1982	9429722813
SHRI ATUL PETHIA JI	NAGPUR	04/05/1973	9325303018
SHRI TUSHAR S. HIRE JI	NASHIK	04/05/1985	7771053835
SHRI WARKE R. JANJARAM JI	JALGAON	05/05/1965	9923445590
SHRI MANISH AGRAWAL JI	BHARATPUR	06/05/1992	7229839900
MR. KISHORE CHANDRA SAHU JI	ANGUL	06/05/1971	9439019600
DR. JAGROOP SINGH JI	MEERUT	06/05/1980	8006784785
SHRI SHRAVAN NAMDEV JI	JALGAON	06/05/1985	9423615168
SHRI CHETAN R.BHAMARE JI	NASHIK	10/05/1984	8698369898

सैंपल फेल

प्राप्त समाचार के अनुसार चंडीगढ़ स्थित सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन में लाइफ सेविंग ड्रग्स के अलावा, पेन किलर और एंटीबायोटिक के सैंपल फेल पाए गए हैं.यहां पर महाराष्ट्र, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम आदि जगहों की मैन्युफैक्चरिंग में तैयार दवाओं के सैंपल टेस्टिंग के लिए आए थे। इनमें 15 दवाई ऐसी पाई गई है, जिनमें सॉल्ट पर्याप्त नहीं था. कई टेबलेट ऐसी भी पाई गई हैं, जो इस्तेमाल करने के बाद बॉडी में घूलने लायक नहीं थी, इसके अलावा एढिसिव सर्जरी टेप की लेंथ पूरी न होने पर उसका भी सैंपल फेल पाया गया है। निम्न कंपनियों के सैंपल फेल हुए हैं. **मैन्युफैक्चरिंग रिलीव फार्मा,** उना, हिमाचल प्रदेश, **टोरेंट फार्मास्यूटिकल्स** गैंगटोक, सिक्किम, **सेंचुरियन रेमेडीज** वडोदरा गुजरात, **मित्रा इंडस्ट्री** फरीदाबाद, **नेस्टर फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड** फरीदाबाद, **आईपीसीए लैबोरेट्रीज** सिक्किम, कंपनी के सैंपल फेल हुए हैं. – नूर मोहम्मद, मो॰ 9456269821, रामपुर.

ठाणे जिला केमिस्ट एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी निर्वाचित

ठाणे जिला केमिस्ट एसोसिएशन (C.A.T.D) मुंबई की नई कार्यकारिणी का निर्विरोध निर्वाचन हुआ है. निर्वाचन के समय AIOCD अध्यक्ष श्री जगन्नाथ शिंदे भी मौजूद रहे.नई कार्यकारिणी को मेडिकल दर्पण मीडिया हाउस की तरफ से अनंत शुभकामनाएं **कार्यकारिणी इस प्रकार है:-** दिलीप देशमुख (अध्यक्ष), मो॰ 9702400111, सुरेश भट (सचिव), मो॰ 9892807009, निलेश वाणी (सह सचिव), मो॰ 8691091055, गणेश शेल्के (खजिनदार), मो॰ 9820484275, दीपक शाह (उपाध्यक्ष), विलास जोशी (उपाध्यक्ष), मो॰ 8652369222, विनय खाटू (अध्यक्ष), मो॰ 9821112349, ठाकुर बचवानी (उपाध्यक्ष), मो॰ 9960928353, मैफूज सिद्दीकी (उपाध्यक्ष). – अभय सिघंल, मो॰ 9319980483.

384 जरूरी दवाएं 12 फीसदी महंगी होंगी

प्राप्त समाचार के अनुसार एनपीपीए, फार्मास्यूटिकल्स विभाग, रसायन और उर्वरक मंत्रालय द्वारा 27 मार्च, 2023 को जारी किए गए इस नवीनतम विनियमन को काफी विरोध का सामना करना पड़ा क्योंकि विशेषज्ञों का मानना है कि यह 2013 के ड्रग प्राइस कंट्रोल ऑर्डर (डीपीसीओ) के खिलाफ जाता है, जिसे स्थापित किया गया था। सुनिश्चित करें कि आवश्यक दवाएं आम जनता के लिए सस्ती और सुलभ हों। हमारी विशेष सामग्री के माध्यम से गहराई से उद्योग अंतर्दृष्टि और विश्लेषण प्राप्त करें, जो लेखकों के हमारे सम्मानित पैनल द्वारा आपको मुफ्त में प्रस्तुत किया गया है।

बदलता मौसम बढ़ा रहा है हार्ट अटैक और फ्लू का खतरा

प्राप्त समाचार के अनुसार मौसम तेजी से बदल रहा है। ऐसे में बहुत सावधान रहने की जरुरत है। ऐसे मौसम में फ्लू होना आम बात है जिसे हम काफी हल्के में ले लेते हैं। लेकिन हाल ही जो शोध हुआ है वो काफी डरावना है। डॉक्टरों का कहना है कि फ्लू के कारण हार्ट अटैक का खतरा बढ़ रहा है। फ्लू का वायरल लगातार अपना रुप बदल रहा है जो सेहत के लिए हानिकारक बनता जा रहा है। बी एल के हॉस्पिटल के सीनियर कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. सुभाष चंद्रा का कहना है कि जैसे कोरोना में आर्टरी के अंदर ब्लड क्लॉट्स देखे गए थे और जिसकी वजह से हार्ट अटैक होने का जोखिम काफी बढ़ गया था, ठीक उसी तरह फ्लू में भी हो सकता है। एक शोध में पाया गया है कि बहुत सारे लोग ऐसे हैं, जिनमें फ्लू के बाद हार्ट अटैक आया है। कई लोग तो ऐसे भी हैं, जिनमें फ्लू के एक हफ्ते के बाद ही हार्ट अटैक आया था। फ्लू के कारण ब्लड क्लॉटिंग की समस्या हो सकती है, क्योंकि कोरोना और फ्लू के वायरस आपस में एक जैसे हैं। बता दें कि इनके लक्षण एक जैसे हैं और इनका बचाव भी एक जैसा ही है। शोधकर्ताओं का कहना है कि 401 व्यक्तियों को उनके फ्लू निदान के एक वर्ष के भीतर कम से कम एक बार दिल का दौरा पड़ा। इनमें 25 हार्ट अटैक के मामले, फ्लू के पहले सात दिनों में रिपोर्ट किए गए थे। फ्लू के बढ़ते खतरे के साथ यह कहना गलत नहीं होगा कि जैसे-जैसे इसका खतरा बढ़ेगा, वैसे-वैसे इसका असर भी कोरा. ना की तरह ही होगा। ऐसे वक्त में बहुत जरुरी है कि लोग फ्लू के लक्षणों को बिल्कुल भी नजर अंदाज ना करें क्योंकि ये बाद में बड़ा खतरा बन सकता है।

अप्रैल एवं मई माह के त्यौहार

13.04.2023	कालाष्टमी
14.04.2023	भीमराव अम्बेडकर जयंती
16.04.2023	एकादशी
17.04.2023	प्रदोष व्रत
20.04.2023	अमावस्या
22.04.2023	ईद
23.04.2023	अक्षय तृतीया
24.04.2023	गणेश चतुर्थी
01.05.2023	मजदूर दिवस/एकादशी
03.05.2023	प्रदोष व्रत
05.05.2023	बुद्ध पूर्णिमा
08.05.2023	गणेश चतुर्थी

बाल बढ़ाने की गारंटी देने वाला हेयर ट्रांसप्लांट क्लीनिक सील

प्राप्त समाचार के अनुसार राजस्थान के कोटा में सिर पर बाल आने की गांरटी देने वाले एक हेयर ट्रांसप्लांट क्लीनिक को सील किया गया है। मौके से पुख्ता दस्तावेज नहीं मिलने पर चिकित्सा विभाग की टीम के द्वारा अगले आदेश तक क्लीनिक को सील कर दिया गया। ड्रग विभाग की टीम ने मौके से कुछ दवाइयों के सैंपल लिए हैं जिन्हें जांच के लिए भेज दिया गया है। पीड़ित मोहम्मद आरिफ खान की शिकायत पर क्लीनिक के खिलाफ ये कार्यवाही हुई। पीड़ित ने अपनी शिकायत में बताया कि बीते साल 17 नवंबर 2022 को क्लिनिक वालों ने बालों का इलाज किया था। जिसके लिए क्लीनिक ने 25 हजार रुपए लिए थे। क्लीनिक वालों ने 3 महीने में बाल वापस आने की बात कहीं। बाल नही आने पर 100 प्रतिशत पैसे वापसी की गारंटी लिखित में दी। आरिफ खान के सिर पर बाल आने के बजाय उसके फोड़े फुंसी हो गए। इसके बाद उसने सम्पर्क पोर्टल पर शिकायत दी थी। सीएमएचओ डॉ. जगदीश कुमार सोनी ने इस संबंध में बताया कि इस हेयर ट्रांसप्लांट क्लीनिक की संपर्क पोर्टल 181 पर शिकायत मिली थी। जिस पर डिप्टी सीएमएचओ हेल्थ डॉ घनश्याम मीना, दादाबाड़ी सीएचसी प्रभारी डॉ. हरीराम डागुर, आयुर्वेद एवं ड्रग विभाग की संयुक्त टीम ने मिलकर क्लीनिक पर दस्तावेजों की जांच की। ड्रग विभाग की टीम ने वहां से दवाइयों के सैंपल लिए। ये क्लीनिक आयुर्वेदिक डॉक्टर दुष्यंत सिंह के नाम से संचालित है। क्लीनिक संचालक मौके पर नहीं मिले। मौके पर मिले डॉक्टर मोहम्मद जहीर क्लीनिक से संबंधित दस्तावेज पेश नहीं कर पाए। फिलहाल के लिए क्लीनिक को सील कर बाहर एक नोटिस चिपका दिया गया है। दस्तावेज पेश करने पर क्लीनिक की आगे की कार्रवाई की गई। मोहम्मद जहीर दिसंबर महीने से क्लिनिक में जॉब कर रहे है।

राष्ट्रीय सुरक्षित मातृ दिवस

प्राप्त समाचार के अनुसार 2003 से हर वर्ष 11 अप्रैल को राष्ट्रीय सुरक्षित मातृ दिवस मनाया जाता है. इस दिन के आयोजन का उद्देश्य मातृ एवं शिशु मृत्यु दर पर लाने के लिए गर्भवती को स्वस्थ युवाओं की जानकारी देना है. मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर ने बताया असुरक्षित मातृत्व के कारण होने वाली मातृ शिशु मृत्यु पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए, भारत सरकार ने 2016 में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस की शुरुआत की. इस अभियान के तहत हर माह की 9 तारीख को गर्भवती को प्रसव पूर्व देखभाल की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है. – लक्ष्मण सिंह, मो॰ 9917128280.

डब्ल्यूएचओ मोटापे की दवाओं को आवश्यक दवाओं की सूची में शामिल करने पर विचार कर रहा है

लंदन: मोटापा कम करने वाली दवाओं को पहली बार विश्व स्वास्थ्य संगठन की आवश्यक दवाओं की सूची में शामिल किया जा सकता है, जिसका इस्तेमाल कम और मध्यम आय वाले देशों में सरकारी खरीदारी के फैसलों को निर्देशित करने के लिए किया जाता है, यूएन एजेंसी ने एक समाचार एजेंसी को बताया। डब्ल्यूएचओ के सलाहकारों का एक पैनल अगले महीने शामिल होने वाली दवाओं के नए अनुरोधों की समीक्षा करेगा, सितंबर में अद्यतन आवश्यक दवाओं की सूची के साथ। संयुक्त राज्य अमेरिका में तीन डॉक्टरों और एक शोधकर्ता द्वारा मोटापे की दवाओं पर विचार करने का अनुरोध प्रस्तुत किया गया था। यह नोवो नॉर्डिस्क की मोटापे की दवा सक्सेंडा में सक्रिय संघटक लिराग्लूटाइड को शामिल करता है, जो जल्द ही पेटेंट से बाहर हो जाएगा, सस्ते जेनेरिक संस्करणों की अनुम. ति देता है। पैनल अनुरोध को अस्वीकार कर सकता है या अधिक साक्ष्य की प्रतीक्षा कर सकता है। सूची में सक्सेंडा और अंतत: जेनरिक को शामिल करने का डब्ल्यूएचओ का निर्णय स्वास्थ्य एजेंसी द्वारा वैश्विक मोटापे के लिए एक नए दृष्टिकोण को चिह्नित करेगा। यह नोवो नॉर्डिस्क से एक नए, अधिक शक्तिशाली उपचार का मार्ग प्रशस्त कर सकता है जिसे भविष्य में निम्न और मध्यम आय वाले देशों के लिए अनुशंसित किया जा सकता है। हालांकि, कुछ सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ इस तरह की दवाओं को व्यापक रूप से एक जटिल स्थिति के समाधान के रूप में पेश करने के खिलाफ चेतावनी देते हैं जो अभी भी पूरी तरह से समझ में नहीं आई है। डब्ल्यूएचओ के एक प्रवक्ता ने कहा, कई देशों में मोटापा तेजी से बढ़ती स्वास्थ्य समस्या है।ष ष्मोटापे के इलाज के लिए दवाएं निश्चित रूप से प्रबंधन का केवल एक पहलू हैं, और रोकथाम भी महत्वपूर्ण है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि विशेषज्ञ पैनल आने वाले महीनों में लिराग्लूटाइड के सबूतों पर विचार करेगा। वे भविष्य में अन्य प्रकार के वजन घटाने के उपचारों का व्यापक मूल्यांकन भी कर सकते हैं। WHO के अनुसार, दुनिया भर में 650 मिलियन से अधिक वयस्क मोटे हैं, 1975 की दर से तिगुनी से भी अधिक, और मोटे तौर पर अन्य 1.3 बिलियन अधिक वजन वाले हैं। बहुमत, 70 प्रतिशत – निम्न और मध्यम आय वाले देशों में रहते हैं। पहुँच का विस्तार WHO की आवश्यक दवाओं में मोटापे की दवाओं को शामिल करना उस आबादी के लिए बहुत महत्वपूर्ण हो सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि 2002 में सूची में एचआईवी दवाओं को जोड़ने से उन्हें गरीब देशों में एड्स रोगियों के लिए अधिक व्यापक रूप से उपलब्ध कराने में मदद मिली। वर्तमान में, (सूची) में ऐसी कोई दवाएं शामिल नहीं हैं जो विशेष रूप से मोटापे के चल रहे वैश्विक बोझ के लिए वजन घटाने को लक्षित करती हैं, येल न्यू हेवन हेल्थ के अमेरिकी शोधकर्ता डॉ. संजना गारिमेला, कैलिफोर्निया विश्व. विद्यालय के डॉ. संदीप किशोर ने लिखा है. सैन फ्रांसिस्को, और डब्ल्यूएचओ के सहयोगियों ने अतिरिक्त अनुरोध करने के लिए। उन्होंने टिप्पणी के लिए रॉयटर्स के अनुरोधों का जवाब नहीं दिया। उनका तर्क है कि जबकि सूची में पोषक तत्वों की कमी के लिए खनिज की खुराक शामिल है, वजन घटाने के उपचार की कमी वैश्विक स्वास्थ्य इक्विटी में विसंगतिका प्रति. निधित्व करती है, गरीब देशों में मृत्यु की बढ़ती संख्या को वजन से संबंधित बीमारी से तेज किया गया है, जिसमें हृदय रोग और मधुमेह। सक्सेंडा, एक बार दैनिक इंजेक्शन, लोगों को उनके शरीर के वजन का 5–10 प्रतिशत कम करने में मदद करने के लिए दिखाया गया है, संयुक्त राज्य अमे. रिका में +450 प्रति माह और यूरोप में +150 प्रति माह। संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रति माह 1,300 डॉलर से अधिक की लागत वाले साप्ताहिक इंजेक्शन, वेगोवी का उपयोग करने वाले लोग अपना 15 प्रतिशत वजन कम कर चुके है।। फिलहाल, Wegovy कम आपूर्ति में है और नोवो अमेरिका और अन्य अमीर बाजारों में इसके लॉन्च और वितरण को प्राथमिकता दे रहा है। डेनिश ड्रगमेकर ने एक बयान में कहा कि वह डब्ल्यूएचओ सूची में शामिल करने के लिए लिराग्लूटाइड पर विचार करने के लिए आवेदन में शामिल नहीं था, हम डब्ल्यूएचओ की समीक्षा का स्वागत करते हैं और रीडआउट और निर्णय के लिए तत्पर हैं। दोनों दवाएं GLP&1 रिसेप्टर एगोनिस्ट नामक दवाओं के एक वर्ग से संबंधित हैं, जिनका उपयोग वर्षों से मधुमेह के इलाज के लिए किया जाता रहा है। वे मस्तिष्क को भूख के संकेतों को प्रभावित करते हैं और उस दर को धीमा कर देते हैं जिस पर एक व्यक्ति का पेट खाली हो जाता है, जिससे वे लंबे समय तक भरा हुआ महसूस करते हैं। एली लिली एंड कंपनी के पास वजन घटाने के लिए मंजूरी के करीब एक समान मधुमेह की दवा है। Saxenda और Wegovy दोनों के लिए, मोटापे के लिए दीर्घकालिक सुरक्षा और प्रभावशीलता डेटा की कमी है। अध्ययनों से पता चलता है कि वजन कम रखने के लिए लोगों को जीवन भर ड्रग्स लेने की संभावना होगी। उच्च आय वाले देश इन दवाओं का उपयोग करने के तरीके के लिए अलग-अलग दृष्टिकोण अपना रहे हैं, जिसमें यह विचार करना भी शामिल है कि क्या वे सरकार द्वारा प्रायोजित स्वास्थ्य प्रणालियों द्वारा निर्धारित किए जा सकते हैं या बीमा द्वारा कवर किए जा सकते हैं, क्योंकि वे मधुमेह के लिए हैं। कुछ देशों में, उनका उपयोग केवल सबसे अधिक जोखिम वाले समूहों के लिए आरक्षित किया जा रहा है। टोरंटो विश्वविद्यालय में मोटापे के विशेषज्ञ प्रोफेसर जुल्फिकार भुट्टा ने कहा कि निम्न और मध्यम आय वाले देशों में मोटापे की घटना को बेहतर ढंग से समझा जाना चाहिए ताकि कार्रवाई का सर्वोत्तम तरीका निर्धारित करने में मदद मिल सके निवारक रणनीतियों और शिक्षा में निरंतर प्रयास, लिंग- केंद्रित हस्तक्षेप, मोटापे की दवाओं के उपयोग पर पूर्वता लेनी चाहिए, जिसके लिए सुरक्षा और प्रभावशीलता के लिए बहुत अधिक शोध की आवश्यकता है.

आईड्रॉप में FDA ने कमियों का खुलासा किया

प्राप्त समाचार के अनुसार बीते दिनों ही भारतीय कंपनी ग्लोबल फार्मा की आई ड्रॉप ने अमेरिकी बाजार से अपनी दवाओं को वापस मंगवा लिया। आरोप है कि इस आई ड्रॉप का इस्तेमाल करने से अमेरिका में कई लोगों की आंखों की रोशनी चली गई, कुछ लोगों के आंखों में संक्रमण हो गया तो कुछ लोगों की मौत तक हो गई। अमेरिकी फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (US FDA) ने आई ड्रॉप के निर्माण में हुई कमियों का खुलासा किया। अमेरिकी फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने बताया कि जहां आई ड्रॉप का निर्माण हो रहा था वहां साफ-सफाई का बिल्कुल भी ख्याल नहीं रखा जा रहा था। यूएसएफडीए के अधिकारियों ने अपनी रिपोर्ट जारी करते हुए बताया है कि फार्मा कंपनी के प्लांट में इस्तेमाल होने वाली मशीनें और औजार गंदे थे और कर्मचारियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले कपड़े भी साफ नहीं थे। पूरे प्लांट मे साफ-सफाई का बिल्कुल भी ख्याल नहीं रखा गया था। कंपनी के लिखित दस्तावेज भी सही नहीं थे और कर्मचारियों की ट्रेनिंग में भी कई दिनों का अंतर था। कंपनी के रिकॉर्ड में इस बात का जिक्र नहीं था कि कर्मचारियों के कपड़े कितनी बार इस्तेमाल किए जा सकते हैं। जिस जगह पर दवाइयों की पैकिंग हो रही थी उस जगह को बैक्टीरिया मुक्त (Sterlize) नहीं किया गया था। दवाओं को बनाने के लिए जिन तत्वों का इस्तेमाल किया गया था उनकी भी जांच नहीं की गई थी। एफडीए ने इससे पहले भी दावा किया था कि चेन्नई में स्थित ग्लोबल फार्मा के द्वारा बनाई गई आई ड्रॉप के इस्तेमाल से 55 लोगों की आंखों में संक्रमण की समस्या हो गई। एक व्यक्ति की तो इस दौरान मौत भी हो गई। आंखों में सूखेपन और जलन से बचने के लिए इस आई ड्रॉप का इस्तेमाल किया जा रहा था।

सर्वाइकल कैंसर दवाओं की बड़े पैमाने पर जांच के लिए मॉडल का आविष्कार किया गया

नई दिल्ली: वैज्ञानिकों ने तीन आयामी सेलुलर प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हुए एक मॉडल विकसित किया है, जिसमें कई दवाओं के यौगिकों का एक साथ और तेजी से परीक्षण किया जा सकता है, जिससे सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ नए और व्यक्तिगत उपचार को उजागर करने के लिए बड़े पैमाने पर जांच की जा सकती है। ओरेगन स्टेट यूनिवर्सिटी (OSU) कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, यूएस के नेतृत्व में किए गए अध्ययन में को. शिकाओं की एक परत का उपयोग करने वाली दवाओं के परीक्षण के ऐतिहासिक साधनों से प्रस्थान करने की विधि का वर्णन किया गया है। OSU कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के प्रमुख शोधकर्ता और सहायक प्रोफेसर केटलिन फॉग ने कहा, द्वि-आयामी मोनोलेयर मॉडल ट्यूमर माइक्रोएन्वायरमेंट को पूरी तरह से दोहराने में सक्षम नहीं हैं क्योंकि हमारे शरीर में कुछ भी कठोर प्लास्टिक के टुकड़े पर कोशिकाओं की एक परत जैसा नहीं है। फॉग ने कहा, कैंसर मेटास्टेसिस और नई रक्त वाहिकाओं के निर्माण के लिए ट्यूमर की जरूरत स्वाभाविक रूप से त्रि-आयामी प्रक्रियाएं हैं और उन साम. ग्रियों के माध्यम से आगे बढ़ने की जरूरत है जो शरीर के समान हैं। निष्कर्ष जर्नल ऑफ बायोमेडिकल मैटेरियल्स रिसर्च में प्रकाशित हैं । फॉग ने कहा कि 24 कुओं के साथ प्लेटों पर निर्भरता के कारण कई 3डी परीक्षण तकनीक मानक उच्च-रूपुट स्क्रीनिंग विधियों के साथ बहुत अच्छी तरह से मेल नहीं खाती हैं। उच्च-थ्रूपुट स्क्रीनिंग, या एचटीएस, बड़ी संख्या में विभिन्न अणुओं की चिकित्सीय प्रभावशीलता क्षमता का स्वचालित, एक साथ परीक्षण है। 96-अच्छी प्लेटें उच्च-थ्रूपुट स्क्रीनिंग के लिए आदर्श हैं। अध्ययन द्वारा वर्णित इस पद्धति में परीक्षण किए जाने वाले यौगिकों को रखने के लिए बड़े पैमाने पर आइस क्यूब ट्रे के आकार की प्लेटों का उपयोग किया जाता है, जिससे दवा विश्लेषण में तेजी आती है क्योंकि यौगिकों के विशाल पुस्तकालयोंको जल्दी से जांचा जा सकता है और प्रभावी ढंग से खर्च किया जा सकता है। हमारा लक्ष्य एक डिश मॉडल में एक ट्यूमर को विकसित करना और मान्य करना था जो सर्वाइकल कैंसर ट्यूमर माइक्रोएन्वायरमेंट का अनुमान लगाता है, मौजूदा उच्च-थ्रूपुट विधियों के साथ इंटरफेस करता है, और समय के साथ कैंसर के आक्रमण और रक्त वाहिका के गठन का मूल्यांकन कर सकता है, फॉग ने कहा। मॉडल एक ही समय में सैकड़ों दवाओं के मूल्यांकन और कैंसर के आक्रमण को विफल करने और नई रक्त वाहिकाओं के निर्माण में सक्षम लोगों की तेजी से पहचान करने में सक्षम बनाता है, उसने कहा। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि वर्तमान में सर्वाइकल कैंसर के इलाज के लिए विशेष रूप से उपयोग की जाने वाली कोई दवा नहीं है, फॉग ने कहा। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, विश्व स्तर पर, सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में चौथा सबसे अधिक बार होने वाला कैंसर है, जिसके हर साल लगभग 600,000 नए मामलों का निदान किया जाता है। सर्वाइकल कैंसर का सबसे अधिक निदान 35-44 वर्ष की महिलाओं में होता है और 20 वर्ष से कम उम्र की महिलाओं में शायद ही कभी विकसित होता है। 20 प्रतिशत से अधिक मामले 65 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं में होते हैं, जिनमें से अधिकांश महिलाओं में होती हैं, जो सर्वाइकल कैंसर की नियमित जांच से नहीं गुजरती हैं। फॉग ने कहा, लेटफॉर्म ट्यूमर माइक्रोएन्वायरमेंट में सेल व्यवहार को कैप्चर करता है और रोगी से रोगी परिवर्तनशीलता के लिए खाता है।

Johnson & Johnson 73 हजार करोड़ रुपए का मुआवजा देगी

अमेरिका की जानी-मानी मशहूर फार्मास्युटिकल कंपनी जॉनसन एंड जॉनसन लंबे वक्त से मुश्किलों का सामना कर रही है। कंज्यूमर सेफ्टी केस की वजह से कंपनी ने जहां अपने बेस्ड बेबी पाउडर की बिक्री बंद कर दी थी। वहीं सालों पहले कंपनी पर हजारों महिलाओं ने बच्चेदानी का कैंसर होने के आरोप में केस किया था। जिसके मुकदमे को हल करने के लिए कंपनी की ओर से बड़ी राशि का मुआवजा देने की बात कही गई है। 2020 में जॉनसन एंड जॉनसन ने अमेरिका और कनाड़ा में अपने बेबी पाउडर की ब्रिकी नहीं करने की घोषणा की थी। कंपनी का कहना था कि वहां कंपनी के खिलाफ कई सारे केस दर्ज हो जाने के कारण गलत जानकारियां फैलने लगीं कि जॉनसन एंड जॉनसन का बेबी पाउडर सुरक्षित नहीं है। इसके बाद से बेबी पाउडर की बिक्री में कमी आने लगी। सालों बाद अपने पुराने मुकदमे को खत्म करने के लिए जॉनसन एंड जॉनसन की ओर से 890 करोड़ अमेरिकी डॉलर (लगभग 73,086 करोड़ रुपये) के समझौते की पेशकश की गई है। खबर है कि जिन लोगों को टैल्कम पाउडर प्रोडेक्ट से कैंसर हो गया है उन पीड़ितों को कंपनी की ओर से मुआवजा दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि जॉनसन एंड जॉनसन अपनी सहायक कंपनी LTL Management LLC के जरिये अगले 25 सालों में हजारों दावेदारों को 890 करोड़ अमेरिकी डॉलर का भुगतान करेगी। कंपनी का कहना है कि टैल्कम पाउडर पूरी तरह से सेफ लेकिन इसके बावजूद जो आरोपों लगाए हैं उसके लिए कंपनी को इस मुद्दे को प्रभावी ढंग से हल करना उचित है। इसलिए कंपनी की ओर से मुआवजा देने की बात कही गई है। हजारों ग्राहकों ने जॉनसन एंड जॉनसन कंपनी पर केस किया था कि इस पाउडर के इस्तेमाल से कैंसर होता है पाउडर में एस्बेस्टस है।

सोनपुर में कफ सिरप के रैकेट का भंडाफोड़, 5 गिरफ्तार

ओडिशा के सोनपुर जिले में पुलिस ने कफ सिरप के रैकेट का पर्दाफाश किया है। भुवनेश्वर से बलांगीर की ओर जा रही एक बोलेरो और एक हुंडई कार की तलाशी कर पुलिस ने 1,920 बोतले कफ सिरप की बरामद की है। पुलिस ने इस मामले में 5 तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक बोलेरो और हुंडई कार से 1920 कफ सिरप की बोतलों जब्त की। इसके साथ ही दोनों गाड़ियों में सवार 5 तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। पूछताछ के बाद पांचों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। सोनपुर जिला पुलिस कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में पुलिस अधीक्षक अमरेश पंडा ने बताया कि सोनपुर पुलिस को बड़े पैमाने पर कफ सिरप तस्करी की सूचना मिली थी और इसी के बाद विभिन्न पुलिस थानों को अलर्ट कर दिया गया था। जांच के दौरान पुलिस ने तरभा पुलिस ने खारी गांव स्थित सरस्वती शिशुविद्या मंदिर के पीछे एक बोलेरो और एक हुंडई कार को रोककर तलाशी की थी। इसी तलाशी के दौरान पुलिस ने कफ सिरप के साथ-साथ तस्करों को धर दबोचा। पुलिस ने पांचो आरोपियों का मोबाइल जब्त कर लिया है और आगे की जांच पड़ताल शुरु कर दी है। पुलिस ने जिन पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है उनकी पहचान प्रशांत नायक, गोप थाना, पुरी जिला, सुशांत सेठ, ओडगां थाना, नयागढ़ जिला, देवेंद्र पात्र, तरभा थाना, सोनपुर जिला, सुशांत डांग, सैंतला थाना, बलांगीर जिला देवशीष छत्रिया, सैंतला थाना, बलांगीर जिले के निवासी के रुप में हुई है। आरोपी भुवनेश्वर से कफ सिरप लेकर बलांगीर जा रहे थे।

एस्ट्राजेनेका का कहना है कि ड्रग कॉम्बो अंतिम चरण के डिम्बग्रंथि के कैंसर के परीक्षण में लक्ष्य को पूरा करता है

बेंगलुरू: एस्ट्राजेनेका ने कहा कि उसकी कैंसर की दवाओं इम्फिनजी और लिनपरजा के संयोजन ने उन्नत डिम्बग्रंथि के कैंसर के रोगियों में अंतिम चरण के परीक्षण में मुख्य लक्ष्य हासिल किया। दवा निर्माता ने कहा कि कीमोथेरेपी और बेवाकिजुमाब के साथ उन दवाओं के संयोजन के साथ उपचार – देखभाल के मौजूदा मानक – कुछ म्यूटेशन के बिना उन्नत डिम्बग्रंथि के कैंसर वाले नव निदान रोगियों में बेहतर प्रगति-मुक्त अस्तित्व। अमे. रिका स्थित मर्क एंड कंपनी के साथ संयुक्त रूप से विकसित लिंगपर्जा को पिछले साल अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा अनुमोदित किया गया था।

+ Veterinary GRAMPUS Division +
MANUFACTURER of ECTOPARASITICIDES
Email-id: sales.grampus@gmail.com
Web Site: www.grampuslaboratories.com
1. AMITRAZ -5% & 12.5%
2. AMITRAZ -2% POUR ON
3. FLUMETHRIN -1% POUR-ON
4. CYPERMETHRIN -1%, 10%,12%, 15%
5. CYPERMETHRIN -10% + ETHION 8%
6. CYPERMETHRIN -1%, 10% POWDER
7. DELTAMETHRIN -1.25% , 1.75%, 2.5%
8. PERMETHRIN -2%, 5%, 10%, 11%
9. FIPRONIL -0.25%, 1%, 9.7%
ALL PACKS AVAILABLE IN ALUMINIUM, TIN & PET BOTTLES
6ml, 15ml WALL HANGING TRAY PACKS AVAILABLE
FOR PCD & THIRD PARTY : 099960-19744. 78762-20222.
GRAMPUS LABORATORIES
Mfg. Unit: Johron, Near Industrial Area, Kala Amb.(H.P)

Commited to Quality and Services
CELEBRATING GOLDEN YEARS 25th ANNIVERSARY
Om Biotec has Certified ISO 9001 : 2015, is the Manufacturer & Exporter of Pharmaceuticals products and in the trade since 1997, Export to Several Countries since 1997.
TABLETS | INJECTABLES | SOFT GEL CAP | AYURVEDIC PRODUCTS
CAPSULES | EYE/EAR DROP | PROTEIN POWDER | NUTRACEUTICALS
OINTMENT | LIQUID | DRY SYRUP/DROP | SOAP/SHAMPOOS
DERMA CARE | SKIN CARE | DENTAL CARE | FOOD SUPPLEMENT
We provide all kind of PROMOTIONAL MATERIAL i.e.
✓Visual Aid ✓Reminder Card ✓Corporate Gift Articles ✓Leaf Behind ✓Bags ✓Sample Catch Cover
Enquiries Solicited for Franchise
OM BIOTEC
Exporter and Importer / A Govt. of India Recognized Export House
Office : 24/4814, Mathur Lane, Ansari Road, Daryaganj, New Delhi-110002
Tel : 011-23276277/ 23257768
Email: ombiotec@gmail.com
Website : www.ombiotec.com
Mobile: +91-8287405552, +91-9911193164, +91-9911262100, +91-9810060234
MONOPOLY RIGHTS | TIMELY DELIVERIES | MORE THAN 350 PRODUCTS | NEW DCGI MOLECULES
Success | Hardwork | Investment | Motivation | Inspiration | Begins

Zesiya Healthcare
A Complete Range of Nutraceutical
Invites You for
Third Party Manufacturing
Tablets, Capsules, Syrup, Drop, Protein Powder, Sachet, Granules
30 Days Delivery
More than 500+ Available
OUR PRESENCE IN MORE THAN 22 STATES
Marketing :- +91 8006077773
Email :- zesiyasales@gmail.com
Adders:- Near Raj Mahal Hotel, Roorkee Dist. Haridwar(U.K) 247661
Head Office :- 7, Meedo Complex, Saharanpur Chowk Dehradun-248001
500+ Products

A Fastest Growing Derma Company With Latest Products........
Franchise Skin Specialist Products
e-derma Pharma India Pvt. Ltd.
(An ISO 9001:2015 Certified Company)
More Than 200 Products
9034435000, 9034635000
edermapharma@hotmail.com
www.edermapharma.com

With Best Compliments From Xenon Pharma Pvt. Ltd.
XENON The innovative People
XENON Pharma Pvt. Ltd.
(A WHO-GMP Certified Company)
For PCD Franchise & Distribution Marketing
• Leader in Covid Range FERAVIR, VORICONAZOLE , POSACONAZOLE, IVERMECTIN & Many more..
• Achieving Customer Satisfaction is Fundamental to our Business, As we provide latest molecules with highest quality standards.
• We also Provide Scientific Data, Promotional Inputs & Gift Articles For Ethical Working and Better Promotion.
• Our most of the Brands are with Registered Trademark & many molecules are first time in India.
• Assurance of Timely Delivery, High Quality & Cost Effective Product Range.
• Competitive Rates and MRPs as per DCGI Norms.
• Timely Delivery & 100% availability of products.
XENON Pharma Pvt. Ltd.
Plot No. 79-80, Sec-6A, IIE, Sidcul, Haridwar-249403
Contact : +91 9811249056, 9971370555
xenonpharmapvtltd.in
Third Party Manufacturing Proposals are also invited

सस्ती हुई 651 दवाएं

प्राप्त समाचार अनुसार केंद्र सरकार के द्वारा आवश्यक दवाईयों की कीमत में कमी की गई है। दवाओं की कीमत 1 अप्रैल से लागू हो गई है। नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (NPPA) के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, 651 आवश्यक दवाओं की लागत अप्रैल से औसतन 6.73 प्रतिशत कम हो गई है। सरकार ने आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम) की सितंबर 2022 लिस्ट में बदलाव करते हुए नए प्राइस लागू कर दिए हैं। नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) के द्वारा ट्वीट के माध्यम से ये जानकारी दी गई है। एनपीपीए ने ट्वीट कर कहा कि सरकार एनएलईएम में सूचीबद्ध कुल 870 दवाओं में से अब तक 651 के अधिकतम मूल्य को तय कर पायी है। 651 आवश्यक दवाओं की लागत अप्रैल से औसतन 6.73 प्रतिशत कम हो गई है, क्योंकि सरकार ने अधिकतर शिड्यूल दवाओं की कीमतों की सीमा तय कर दी है। नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) ने कहा कि अधिकतम कीमतों की कैपिंग के साथ 651 आवश्यक दवाओं की कीमत औसतन पहले ही 16.62 प्रतिशत कम हो गई थी। एनपीपीए ने बताया कि इस वजह से 651 आवश्यक दवाओं की कीमत जो 12.12 प्रतिशत बढ़नी थी, वास्तव में 1 अप्रैल से 6.73 प्रतिशत कम हो गई है। एनपीपीए ने कहा कि थोक मूल्य सूचक. ांक (डब्ल्यूपीआई) के आधार पर दवाओं के दामों में 12.12 प्रतिशत की वृद्धि के बावजूद उपभोक्ताओं को कीमतों में कमी का लाभ मिलेगा। एनपीपीए ने 25 मार्च को कहा था कि 2022 के लिए डब्ल्यूपीआई में वार्षिक बदलाव 12.12 प्रतिशत है। आपको बता दें कि ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि जब आवश्यक दवाओं की अधिकतम कीमत तय की जा रही है। कीमतों को तय करने का आदेश DSPO द्वारा 2013 से दिया जा रहा है। यह एक विशेष चिकित्सीय खंड द्वारा की जाती है, जो 1 प्रतिशत से अधिक की बिक्री वाली सभी दवाओं के सामान्य औसत पर आधारित है। अब नई कीमत के साथ पैरासिटामोल 500 एमजी की गोली 12 प्रतिशत तक सस्ती हुई है। उच्च रक्तचाप, हृदयाघात जैसी जटिलताओं में उपयोगी टेल्मिसर्टन दवा 7.65 प्रतिशत तक सस्ती हुई है। मेटफार्मिन की कीमत में 5.63 प्रतिशत की कमी आई है। पहले मेटफार्मिन 2.13 रुपये और टेल्मिसर्टन 40 एमजी की एक गोली 7.32 रुपये में मिलती थी।

WHO ने एंटीबॉयोटिक्स दवा के लिए दी वार्निंग

प्राप्त समाचार अनुसार आज के दौर में बुखार आते ही तुरंत ही एंटीबॉयोटिक खा लेते हैं खांसी की समस्या हुई तो एंटीबॉयोटिक। छोटी से छोटी तकलीफ होने पर झट से एंटीबॉयोटिक का सेवन कर लेते हैं। इस तरह से अंधाधुन एंटीबॉयोटिक का सेवन करने से पूरी दुनिया में परेशानी बढ़ती जा रही है। इतनी मात्रा में इन मेडिसन का इस तरह से उपयोग हो रहा है कि अब दवा ने शरीर पर असर करना ही बंद कर दिया है। डेनमार्क में यूरोपियन कांग्रेस ऑफक्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी एंड इंफेक्शियस डिजीज की हाल ही में एक ऑनलाइन मीटिंग हुई थी। मीटिंग के दौरान दुनिया में एंटीबॉयोटिक के इस तरह धड़ल्ले से हो रहे इस्तेमाल पर चिंता व्यक्त की गई। न्यूयॉर्क हॉस्पिटल के डॉ आरोन ग्लैट ने कहा कि एंटीबायोटिक का जिस तरह से इस्तेमाल हो रहा है। एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस आने वाले सालों में बड़ी चिंताओं में से एक है। अगर वक्त रहते इस पर नियंत्रण नहीं किया गया तो आने वाले सालों में एंटीबॉयोटिक के इस्तेमाल से बड़ी तबाही देखने को मिलेगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एंटीबॉयोटिक्स दवा के इस्तेमाल को लेकर चिंता जताई है। WHO का कहना है कि पूरी दुनिया के कोने-कोने में एंटीबॉयोटिक का सबसे अधिक इस्तेमाल हो रहा है। दवाओं के अधिक मात्रा में इस्तेमाल होने से दवा ने अब असर करना ही बंद कर दिया है। देश और दुनिया में दवाओं के प्रति रेसिस्टेंस लगातार बढ़ता जा रहा है। भारत में कम से कम सात लाख लोग इस समस्या से परेशान हैं। बता दें कि दवाओं से रेसिस्टेंस होने से अर्थ होता कि जिन बैक्टीरिया और फंगस को मारने के लिए दवा तैयार की जाती है। इन दवाओं के अधिक सेवन से बैक्टीरिया उन दवाओं के अभ्यस्त हो जाते हैं। उनकी मौत नहीं हो पाती है।

सुरक्षा जीवन का अर्थ है, सुरक्षा के बिना सब व्यर्थ है

AIIMS के गेट के बाहर बिक रही दवाओं की जांच

प्राप्त समाचार अनुसार रायबरेली में स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संज्ञान (AIIMS) के पास नकली दवाओं की ब्रिकी हो रही है। इन दवाओं की लखनऊ प्रयोगशाला में जांच होने पर सामने आया कि एक दवा नकली पायी गई है। जांच में सामने आया कि दवा में सिफैक्जिम साल्ट नहीं मिला, जबकि दवा की कंपनी की ओर से दावा किया गया था कि दवा में सिफेक्जिम है। दवा की जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद ड्रग इंस्पेक्टर ने संबंधित बैच की दवा की ब्रिकी पर रोक लगाने के लिए दुकानदार को बिल उपलब्ध कराने के आद. ेश दिए हैं। इसी साल फरवरी महीने में ड्रग इंस्पेक्टर शिवेंद्र प्रताप सिंह ने एम्स के पास शकुंतला मेडिकल स्टोर से एमआईएसएफ - 200 एमबी (बैच नंबर - सीएलबी 45696) टैबलेट का नमूना भरकर जांच के लिए लैब में भेजा था। इस दवा की एक्सपायरी दिसंबर 2024 है। दवा की जांच रिपोर्ट सामने आयी। ड्रग इंस्पेक्टर शिवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि इस दवा में सिफेक्जिम और लैक्टोबैसिलस साल्ट का दावा किया गया है। लेकिन जांच में दवा में सिफेक्जिम नहीं पाया गया। जांच में दवा को नकली घोषित किया गया है। दुकानदार को दवा के बिल उपलब्ध कराने के आदेश दिए गए हैं। साथ ही इस दवा को ना बेचने के आदेश दिए गए हैं। इस मामले की पूरी जांच के बाद एसीजेएम कोर्ट में मुकदमा किया जाएगा। ड्रग इंस्पेक्टर शिवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि इस साल्ट की दवा का उपयोग विभिन्न इंफेक्शन रोकने के लिए किया जाता है। यह दवा दस्त में भी राहत देती है। शरीर में खराब बैक्टीरिया नष्ट होते हैं तो लाभकारी बैक्टीरिया पेट और आंतों की आंतरिक परतों को सुरक्षित करते हैं। लेकिन ये दवा जांच में नकली पायी गई है। इस दवा को लेने से मरीज की मौत भी हो सकती है।

समबुद्धि युक्त मनुष्य इस जीवन में ही अच्छे तथा बुरे कार्यो को त्याग देता है.
अत: योग में लग जाओ क्योंकि कर्म बन्धन से छुटने का यही कार्य-कौशल है.

InMed THERAPEUTICS INDIA (AN ISO 9001:2008 CERTIFIED CO.)
a step towards complete General Healthcare Diabetic & Cardiac Care
More than 400 Products
WHO - GMP Certified With Latest DCGI Molecules
We offer a widest range of exclusive Diabetic & Cardiac Care alongwith general range including Tablets, Capsules, Syrup, Injection
We offer Promotional Inputs, Samples, Visualaid, Gift, MR bag.
Trade enquiries welcome
Financially sound parties may contact for monopoly basis Franchises/PCD distributionship on
Ground Floor, 286, Industrial Area, Phase-1 Panchkula (Haryana) Pincode - 134109
Mob. : 9216295095, 0172-5025095
Email : inmedindia@gmail.com, Website : www.inmedpharma.in

Leroi
A Professionally Managed Fast Growing Company with a Wide Range of Innovative and Latest Multidimensional Ethical Product with Latest Molecule.
Third Party Manufacturing Facility Available with Spare Capacity
Tablets Beta & Non Beta | Capsules Beta & Non Beta | Veterinary Products Beta & Non Beta
Oral Liquid Syrup & Susp. | Dry Syrup Beta & Non Beta
GMP & GLP Certified & WHO Compliance
Alu-Alu Pack Available | Latest Attractive Packaging
Competitive Price | Timely Delivery of Goods
Come Join Hands with us:
• Small Batch Manufacturing
• Bulk Order Manufacturing
• Third Party/Marketed by Arrangement
• For Sole Marketing Rights for Unrepresentated areas
For any information, please fell free to contact:
LEROI PHARMACEUTICALS PVT. LTD
159 GHA, Village- Simloni, Post- Manglor, Roorkee, Distt.- Haridwar. 247656 (U.K.)
Ph +919720002852, 9758250300, 9758003741
Email: Leroipharma1@gmail.com | web: www.leroipharma.com

ब्रजेश कुमार गर्ग स्वामी की ओर से ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा प्रकाशित, ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा मुद्रित तथा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एण्ड पैकिंग लिमिटेड नोएडा, गौतम बुद्ध नगर में मुद्रित एवं बी.एन.मैडीकल कॉम्प्लैक्स, बुलन्दशहर से प्रकाशित सम्पादक- ब्रजेश कुमार गर्ग.